दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03 : अंक: 272 | ग्वालियर, मंगलवार 06 अक्टूबर 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य 01, रुपए, पृष्ठ 8

न्यूज ट्रैक

सुशांत केस में हमारी जांच बंद नहीं हुई है, थोड़े समय के लिए रोकी है: मुंबई पुलिस प्रमुख का बयान

मुंबई। सुशांत सिंह राजपूत के मौत मामले में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के फॉरेंसिक विभाग की रिपोर्ट आने के बाद मुंबई पुलिस के कमिश्नर महावीर सिंह ने बड़ा बयान दिया है। टाइम्स नाउ से खास बातचीत में पुलिस प्रमुख ने कहा कि सुशांत केस में मुंबई पुलिस की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को ट्रांसफर नहीं हुई थी। कोर्ट ने बिहार पुलिस की शिकायत को केंद्रीय एजेंसी के पास जांच के लिए भेजा है। उन्होंने कहा कि हमने अपनी जांच थोड़े समय के लिए रोकी है, हमारी जांच बंद नहीं हुई है। सिंह ने उम्मीद जताई कि सीबीआई की जांच का निष्कर्ष कुछ वैसा ही होगा जिस एंगल पर मुंबई पुलिस जांच कर रही थी।

हमारी जांच बंद नहीं हुई: सिंह-पुलिस कमिश्नर ने कहा, सुप्रीम कोर्ट ने मुंबई पुलिस से रिपोर्ट मांगी थी। हमने जो जांच रिपोर्ट सौंपी उससे कोर्ट संतुष्ट था। हमारा केस सीबीआई को कभी ट्रांसफर नहीं हुआ। सीबीआई के पास जिस केस का ट्रांसफर हुआ वह बिहार पुलिस का था। जांच के दौरान हमने सीबीआई को पूरा सहयोग दिया है। हमने केंद्रीय जांच एजेंसी को सभी साक्ष्य और दस्तावेज सौंपे। हमें आशा है कि सीबीआई भी उसी निष्कर्ष पर पहुंचेगी जिस एंगल पर हम जांच कर रहे थे। हमने अपनी जांच थोड़े समय के लिए रोक दी है लेकिन हमारी जांच अभी बंद नहीं हुई है। हमने फॉरेंसिक टीम के घटनास्थल तक आने तक उसे पूरी तरह सुरक्षित रखा था।

हमारी जांच पेशेवर थी-एम्स की रिपोर्ट पर सुशांत सिंह परिवार के वकील की ओर से सवाल उठाए जाने पर महावीर सिंह ने कहा कि वह किसी के आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देंगे। सीबीआई की अंतिम रिपोर्ट आने तक वह कोई प्रतिक्रिया नहीं देंगे। पुलिस प्रमुख ने कहा कि उनकी जांच पेशेवर थी और कूपर अस्पताल के डॉक्टरों ने बहुत अच्छा काम किया।

आरजेडी ने रेप के आरोपी विधायकों को नहीं दी टिकट, उनकी पत्नियों को बनाया उम्मीदवार

नई दिल्ली-राष्ट्रीय जनता दल ने बिहार विधानसभा चुनाव 2020 के लिए अपने प्रतियोगियों की पहली सूची जारी कर दी है। यह सूची पहले चरण में बिहार के 16 जिलों में होने वाली वोटिंग के लिए है। आरजेडी ने इस बार दो सिटिंग विधायकों को टिकट देने से इनकार कर दिया है। दरअसल उन पर बलात्कार के आरोप हैं। पार्टी ने चुनाव में इन दोनों विधायकों की जगह उनकी पत्नियों को टिकट दिया है। विभा देवी नवादा विधानसभा सीट से राजद की उम्मीदवार हैं। नाबालिग लड़की से बलात्कार के आरोप में उसके पति राज बल्लभ यादव जेल में हैं। आरजेडी की दूसरी उम्मीदवार किरण देवी हैं, जिन्हें संदेश सीट से मैदान में उतारा गया है, जो बिहार के भोजपुर जिले में स्थित है। उनके पति अरुण यादव बलात्कार के मामले में आरोपी हैं और एक साल से फरार हैं। आरजेडी ने महागठबंधन के अन्य सहयोगियों, कांग्रेस और वाम दलों के साथ अपने गठबंधन को अंतिम रूप देने के बाद पहली सूची जारी की है। राजद ने पड़ोसी राज्य झारखंड में अपने गठबंधन सहयोगी द्वारा रखी गई मांगों को मानने से इनकार कर दिया है। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने कथित तौर पर बिहार में 15 सीटों की मांग की थी, लेकिन लालू प्रसाद यादव की पार्टी ने उसकी मांग को स्वीकार नहीं किया। वहीं दूसरी तरफ बिहार के पूर्णिया जिले के केहाट थाना क्षेत्र में एक दलित नेता की हत्या मामले में आरजेडी नेता तेजस्वी प्रसाद यादव और उनके बड़े भाई तेजप्रताप यादव सहित छह लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। केहाट थाना क्षेत्र में रविवार सुबह नकाबपोश अपराधियों ने दलित नेता शक्ति मलिक के घर में घुसकर गोली मारकर उनकी हत्या कर दी। पुलिस अधीक्षक विशाल शर्मा ने इस मामले में तेजस्वी प्रसाद यादव एवं तेजप्रताप यादव सहित कुल छह लोगों के खिलाफ केहाट थाने में प्राथमिकी दर्ज किए जाने की पुष्टि की है। मलिक की पत्नी ने राजनीतिक साजिश के तहत अपने पति की हत्या किए जाने का आरोप लगाया और कई नेताओं के नाम लिए। उन्होंने कहा कि उनके पति राजद से निकाले जाने के बाद एक निदर्लीय उम्मीदवार के रूप में विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे।

अपने नेता की हत्या पर बरसी बीजेपी ममता बनर्जी से पूछा- क्या यही है लोकतंत्र

नई दिल्ली। भाजपा ने पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में पार्टी के नेता मनीष शुक्ला की हत्या की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की मांग करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से पूछा कि जिस प्रकार राज्य के बाहर हुई घटनाओं के दौरान वह अपने नेताओं के प्रतिनिधिमंडल भेजती हैं, क्या उसी प्रकार वह भाजपा पार्षद के घर जाएंगी? राजधानी स्थित भाजपा मुख्यालय में पत्रकारों को संबोधित करते हुए भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने दावा किया कि अब तक राज्य में 115 भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं की हत्या हुई है। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता लोकतांत्रिक तरीके से इसका जवाब देगी। उन्होंने पूछा, 'चोरी और सीनाजोरी का माहौल बनाकर अब तक राज्य में लगभग 115 भाजपा नेताओं या उससे जुड़े कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गई है। मैं ममता जी से पूछना चाहता हूं, क्या यही न्याय है? क्या यही बंगाल में लोकतंत्र है ममता जी?'

क्या मनीष शुक्ला के घर जाएंगी ममता?

पात्रा ने कहा कि जिस प्रकार आप दूसरों राज्यों की घटनाओं के बारे में सवाल उठाती हैं और अपने प्रतिनिधियों को भेजती हैं, क्या आप मनीष शुक्ला के घर जाएंगी। उन्होंने कहा, ''मैं पूछता हूं कि तृणमूल कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल को आप कब मनीष शुक्ला के घर भेजेंगी।' उन्होंने बांग्ला भाषा में कहा, 'पश्चिम बंगाल मां दुर्गा की आराधना की भूमि हैं। मां ने जैसे त्रिशुल से महिषासुर का वध किया था, वैसे ही पश्चिम बंगाल के लोग गणतांत्रिक तरीके से अन्याय और कुशासन का प्रतिवाद करेंगे।' पात्रा ने कहा, 'हमें जितना मारोगे, जितना अत्याचार का प्रयास करोगे उतना अधिक शक्तिशाली होकर हम लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देंगे।'

चीन से बढ़ते तनाव के बीच वायुसेना प्रमुख का बड़ा बयान

दो मोर्चों पर जंग समेत किसी भी संघर्ष के लिये तैयार देश

नयी दिल्ली। चीन के साथ लद्दाख में सीमा पर चल रहे गतिरोध के बीच वायुसेना प्रमुख आर के एस भदौरिया ने कहा कि चीन की चुनौती से निपटने के लिये हम अच्छी स्थिति में हैं। एयर चीफ मार्शल भदौरिया ने लद्दाख में गतिरोध को लेकर कहा कि चीन से निपटने के लिये वायुसेना की तैयारियां अच्छी हैं और हमनें सभी प्रासंगिक इलाकों में तैनाती की है।सीमा पर चीन की तैयारी को लेकर वायुसेना प्रमुख ने कहा कि शत्रु को कमतर आंकने का कोई सवाल ही नहीं है लेकिन आश्वस्त रहिये, किसी भी चुनौती का सामना करने के लिये वायुसेना मजबूती से तैनात है।

हाल में वायुसेना में औपचारिक रूप से शामिल किये गए राफेल लड़ाकू विमानों के बारे में एयरचीफ मार्शल ने कहा कि इनकी तैनाती से वायुसेना को संचालनात्मक बढ़त मिली है। देश के सामने मौजूदा चुनौतियों को जटिल बताते हुए उन्होंने कहा कि हम दो मोर्चों पर जंग समेत किसी भी

संघर्ष के लिये तैयार हैं। भारत और चीनी के बीच करीब 6 महीने से जारी तनाव के बीच भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना ने एक बड़ा फैसला किया है। भारतीय सेना प्रमुख एमएम नरवणे और वायु सेना प्रमुख आरकेएस भदौरिया ने मिलकर लद्दाख में चीनी सेना के खिलाफ युद्ध लड़ने का फैसला किया है। एक समय में नेशनल डिफेंस एकेडमी के कोर्स मेट्स रह चुके नरवणे और भदौरिया ने ईस्टर्न लद्दाख सेक्टर में चीनी सेना के खिलाफ थल सेना और वायु सेना को एक साथ मिलकर युद्ध करने की तैयारी कर रहे हैं। सुपर हरक्यूलस एयरक्राफ्ट जैसे लड़ाकू विमान वहां चीनियों के खिलाफ तैनात सेनाओं के लिए राशन और अन्य जरूरी सामग्रियां सप्लाई करते हुए नजर आएंगे। एयर फोर्स मुख्यालय में शीर्ष स्तर से ये साफ निर्देश है कि युद्ध क्षेत्र में सेनाओं और अन्य सुरक्षा बलों की जो भी जरूरतें होंगी वे सभी पूरी की जाएंगी। कहा जा रहा है कि चीन और पाकिस्तान दोनों भारत के खिलाफ एक साथ आ सकते हैं, ऐसे में भारतीय वायु सेना भी पूरी तरह से तैयार है। वायुसेना ने हाल ही में कहा था कि वह दोनों मोर्चों पर एक साथ संचालन के लिए तैयार है। वायुसेना का फॉरवर्ड एयरबेस जहां से पाकिस्तान करीब 50 किलोमीटर दूर हैं और रणनीतिक दौलत बेग ओल्डी लगभग 80 किलोमीटर है वहां दिन और रात दोनों समय के लिए लड़ाकू, परिवहन विमान और हेलीकॉप्टर तैयार और दोनों पर पैनी नजर रखे हुए हैं। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण एयरबेस जो श्योक नदी के साथ खार-डूंग के पास है वहां सुखोई -30 एमकेआई और सी -130 जे सुपर हरक्यूलिस, आईयुशिन -76 और एंटोन -32 सहित ट्रांसपोर्ट विमानों का संचालन हो रहा है।

एलएसी पर तनाव के बीच पहली

बार मोदी और जिनपिंग होंगे आमने-सामने 17 नवंबर को वुर्चअल बैठक में लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग 17 नवंबर को होने जा रहे 12वें वर्चुअल ब्रिक्स सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। ब्रिक्स एनएसए की बैठक रूस में हुई थी, जिसमें भारत का प्रतिनिधि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोवाल और चीन की तरफ से राजनयिक यांग चिएची कर रहे थे।ब्रिक्स देशों के नेताओं के बीच बैठक का इस बार का थीम होगा- वैश्विक स्थिरता, साझा सुरक्षा और अभिनव विकास के लिए ब्रिक्स भागीदारी। बयान में कहा गया है, ÷2020 में रूसी ब्रिक्स की अध्यक्षता का मुख्य उद्देश्य हमारे लोगों के जीवन स्तर और जीवन स्तर को बढ़ाने में योगदान देना है। एडवाइजर टू द प्रसिडेंट ऑफ द रशियन फेडरेशन एंटोन कोब्यकोव ने कहा- कोविड-19 महामारी के चलते मौजूदा वैश्विक परिस्थिति के बावजूद रूस की अध्यक्षता में ब्रिक्स की गतिविधियां सामान्य तरीके से चल रही हैं। जनवरी 2020 से लेकर अब तचक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग समेत करीब 60 कार्यक्रमों

का आयोजन किया गया है। इससे पहले, दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की वर्चुअल बैठक के दौरान बातचीत हुई। उससे पहले, भारत और चीन के रक्षा मंत्रियों के बीच भी मॉस्को में ब्रिक्स रक्षामंत्रियों के बैठक से इतर द्विपक्षीय वार्ता हुई थई। इस दौरान सीमा पर तनाव को लेकर काफी देर तक बातचीत हुई। लेकिन, तनाव कम करने में अभी तक कुछ खास सफलता नहीं मिल पाई है। गौरतलब है कि भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में मई के महीने से ही गतिरोध बना हुआ। अब तक दोनों देशों के बीच कूटनीतिक से लेकर सैन्य स्तर तक कई दौर की बातचीत हुई है। लेकिन, सीमा पर सैन्य जमावड़ा कम नहीं हो रहा है। गलवान हिंसा के बाद दोनों देशों के बीच आपसी विश्वास एक दूसरे के ऊपर न के बराबर रह गया है। ऐसे में लगातार इस बात के प्रयास किए जा रहे हैं कि सीमा पर तनाव कम किया जाए। लेकिन, तनाव का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि वायुसेना प्रमुख ने बयान देते हुए कहा कि सीमा पर युद्ध के हालात हैं और न ही शांति के। वायुसेना प्रमुख ने टू फ्रंट वॉर की स्थिति में करारा जवाब देने की बात कही है। इन सबके बीच, अगर ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी और चीनी राष्ट्रपति आमने-सामने होंगे तो उम्मीद की जानी चाहिए कि तनाव कम करने में मदद मिलेगी।

कांग्रेस नेता शिवकुमार से जुड़े परिसरों पर सीबीआई के छापे

50 लाख रु. बरामद

नई दिल्ली। भ्रष्टाचार के एक कथित मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने सोमवार को कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार के कर्नाटक एवं महाराष्ट्र स्थित 14 परिसरों की तलाशी ली। सूत्रों का कहना है कि जांच एजेंसी ने शिवकुमार एवं उनके भाई सांसद डीके सुरेश से जुड़े 14 परिसरों की तलाशी ली। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक सीबीआई ने इन छापों के दौरान 50 लाख रुपए बरामद किए हैं। सीबीआई ने कांग्रेस नेता के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले में केस दर्ज किया है। बताया जाता है कि कर्नाटक में नौ, दिल्ली में चार और मुंबई में एक जगह सीबीआई के छापे पड़े। वहीं, इस छापे को कांग्रेस ने राजनीतिक बदले की कार्रवाई बताया है। राज्य सरकार ने कुछ दिनों पहले शिवकुमार के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच करने क इजाजत सीबीआई को दी। सोमवार के छापे के बाद कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कर्नाटक सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बीएस येदियुरप्पा की सरकार में सीबीआई कठपुतली बन गई है। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने भी सीबीआई के छापे के लिए भाजपा पर हमला बोला। सिद्दारमैया ने कहा, लोगों को ध्यान हटाने के लिए भाजपा हमेशा बदले की राजनीति में संलिप्त रही है। डीके शिवकुमार के यहां सीबीआई के रेड उपचुनावों की हमारी तैयारी को पटरी से उतारने के प्रयास हैं। अपने नेताओं से जुड़े परिसरों पर सीबीआई की रेड की खबर पाकर शिवकुमार एवं सुरेश के सदाशिवनगर स्थित आवास के बाहर उनके सैकड़ों समर्थक जमा हो गए। सुरेश ने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे अधिकारियों को अपना काम करने दें।

बिहार चुनाव के लिए जदयू की पहली संभावित लिस्ट आई सामने

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के नामांकन की आखिरी तारीख 8 अक्टूबर है ऐसे में सभी दल जल्द से जल्द अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा करने की कोशिश में जुटे हैं। इस बीच सत्ताधारी जनता दल यूनाइटेड के उम्मीदवारों की पहली संभावित लिस्ट सामने आ गई है। इस लिस्ट में कई नाम शामिल हैं। पार्टी अध्यक्ष नीतीश कुमार ने करहगर से वशिष्ठ सिंह, जगदीशपुर से कुसुम लता कुशवाहा, मोकामा से राजीव लोचन को जेडीयू उम्मीदवार बनाया है।

संभावित लिस्ट

हालांकि लिस्ट का अभी आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है। लेकिन जो संभावित लिस्ट सामने आई है उससमें झाझा सीट से दामोदर रावत, चकाई से संजय प्रसाद, जय कुमार सिंह को दीनारा, चंदन वर्मा को जहानाबाद, सूर्यगढ़ा से रामानंद, अगियांव से प्रभु राम, करहगर से वशिष्ठ सिंह, जगदीशपुर से कुसुम लता कुशवाहा, झाझा से दामोदर रावत को सिंबल दिया गया है। वहीं भाजपा आज अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर सकती है। इससे पहले सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को उस समय झटका लगा जब केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी ने राज्य में एनडीए से अलग होने का फैसला कर लिया।

तीन चरणों में होना है मतदान

सूत्रों की मानें तो बीजेपी और जेडीयू दोनों 119-119 सीटों पर चुनाव लड़ सकते हैं तथा मांझी के लिए पांच सीटें छोड़ी जाएंगी। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अंतिम निर्णय अभी लिया जाना बाकी है। बिहार में विधानसभा चुनाव तीन चरणों में 28 अक्टूबर, तीन नवंबर और सात नवंबर को होंगे तथा 10 नवंबर को मतगणना होगी। पहले चरण में 71 सीटों के लिए चुनाव होंगे और इसके लिए नामांकन प्रक्रिया एक से आठ अक्टूबर के बीच चलेगी। प्रदेश विधानसभा में कुल 243 सीटें हैं।

अब कहां हैं लालू यादव के साले साधु यादव कभी दबंगई और रुआब से कांपते थे अफसर

पटना। 'सईयां भये कोतवाल तो अब डर काहे का' जब दीदी और जीजा जी ही राज्य के मुख्यमंत्री हों, तो फिर किसका डर। अपनी दीदी राबड़ी देवी और जीजा लालू प्रसाद यादव का साया पाकर साधू यादव ने बिहार में खूब डंका बजाया। एक वक्त ऐसा था, जब अनिरुद्ध प्रसाद यादव को भूलकर लोग साधु यादव के नाम से साले साहब को जानने लगे। समय का चक्र थोड़ा पीछे ले जाएं तो साधु यादव की बिहार में तूती बोलती थी। अफसर हो या नेता सब इनके नीचे। ऐसा रुआब था साले साहब का कि पूरा बिहार कांपता था। आखिर अब कहां हैं साधु यादव और कैसा है इनका रुआब, चलिए देखते हैं। साल 2009 में साधु यादव का उनकी बहन और बहनोई के साथ रिश्ता पूरी तरह से खटास में बदल गया।

हाथरस मामले को लेकर यूपी की योगी सरकार लगातार विपक्ष के निशाने पर

हाथरस को लेकर वेबसाइट के जरिए रची गई थी साजिश

ऐसी थी योजना

इस संबंध में पुलिस ने आईपीसी, आईटी अधिनियम, और अन्य के कई प्रासंगिक धाराओं के तहत एक मामला 3 अक्टूबर को दर्ज किया है। इस वेबसाइट में देश भर में दिल्ली, कोलकाता, अहमदाबाद जैसी जगहों पर विरोध प्रदर्शन और मार्च आयोजित करने पर जोर दे गया था। फर्जी आईडी का इस्तेमाल करके कुछ ही घंटों में हजारों लोग इस वेबसाइट से जुड़ गए। इसके यूजर्स को सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर हाथरस की घटना के बारे में गलत सूचना और अफवाह फैलाते हुए पाया गया है।

हाथरस मामले को लेकर यूपी की योगी सरकार लगातार विपक्ष के निशाने पर है। अब इस मामले में एक ऐसा खुलासा हुआ है जिससे यह प्रतीत होता है कि वहां इसके बहाने जातीय हिंसा भड़काने की तैयारी थी साजिश रची गई थी और इसी बहाने दंगे भड़काने की भी कोशिश की गई थी।

नई दिल्ली। हाथरस मामले को लेकर रविवार को यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि इसके बहाने कुछ लोग प्रदेश की कानून व्यवस्था खराब करना चाहते हैं। अब इस मामले को लेकर एक नया खुलासा हुआ है। सुरक्षा एजेंसियों के इस हाथ के सबूत लगे हैं जिसमें कहा जा रहा है कि हाथरस की घटना का इस्तेमाल करके उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार को जातिगत आधार पर बदनाम करने की

अचानक बनी वेबसाइट

सरकारी सूत्रों ने कहा कि एजेंसियों ने एक ऐसी वेबसाइट का पता लगाया है जिसमें हाथरस को लेकर कई जानकारियां दी गई थी। अचानक बनी इस वेबसाइट में बताया गया था कि कैसे सुरक्षित रूप से विरोध किया जाए और पुलिस के चंगुल से बचा जाए। इसके साथ-साथ इसमें सभी लोगों से जुड़ने का आग्रह किया। इसके अलावा इसमें बताया गया था कि क्या करना है और क्या नहीं।

जहाँ धर्म का प्रभाव होगा वहां पाप ठहर नही सकता : रमाकांत जी व्यास

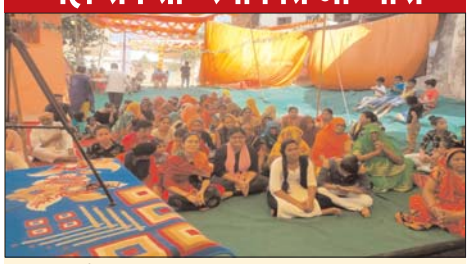

लहार(अर्पित गुप्ता)। लहार क्षेत्र के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल रावतपुरा धाम के नजदीकी ग्राम बिजौरा में प्रसिद्ध हनुमानजी मंदिर पर श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञानयज्ञ कथा के दूसरे दिन कथा ब्यास स्वर सम्राट की उपाधि से सम्मानित सरल ह्रदय भगवताचार्य पण्डित रमाकांत जी ब्यास ने कहा कि कलयुग में जितना ज्यादा हो सके धर्म के साथ साथ भगवान का भजन करना चाहिए क्यों की धर्म के प्रभाव से पाप नही ठहरता है कलयुग में राम के नाम बिना हमारा घर व आंगन सूना होता है राम के नाम के बिना सब जग सूना मन्दिर सूना इस युग में ईश्वर के प्रति आस्था का कोई पुजारी आकर ज्योति जलाए और कोई राम से मोय मिलाये यह मानव का शरीर में घर प्रभू का है इसलिए इस मानव रुपी घर में ईश्वर को समाहित करो तभी व्यक्ति का कल्याण होगा,ईश्वर इस संसार में सभी व्याधियो से छुटकारा दिलाता है।श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ में पारीक्षत के रूप में श्रीमती चंदकुमारी/उमाकांत रावत निबासी उरई है व कार्यक्रम में मंच व्यबस्था अनुराग त्रिपाठी (अन्नू) एवम दीपू त्रिपाठी द्वारा सम्भाली जा रही है।

राष्ट्रीय साहित्य वाटिका का ऑनलाइन कवि सम्मेलन संपन्न

शिवपुरी। राष्ट्रीय साहित्य वाटिका अखिल भारतीय साहित्य सृजन संस्था शिवपुरी मध्य प्रदेश के तत्वाधान में आयोजित साप्ताहिक कवि सम्मेलन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री राम पंडित जी व विशिष्ट अतिथि उर्वशी शर्मा जी रही कार्यक्रम का मंच संचालन श्री सतीश दीक्षित किंकर जी ने किया। कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री राकेश मिश्रा रंजन जी रहे कार्यक्रम की शुरुआत में मां वाणी की आराधना अनामिका वैश्य आईना जी ने प्रस्तुत की एवं काव्य पाठ रानू मिश्रा, कृष्णकांत पलिया, निधि जैन, अर्चना वर्मा, आभा सिंह, अनिल विद्यार्थी जख्मी, पंडित नितिन त्रिगुणायत बरी, सर्वेश उपाध्याय सरस, विकास शुक्ल प्रचण्ड, राकेश मिश्र रंजन, सभी ने बहुत ही सुंदर काव्य पाठ प्रस्तुत कर मंच को गौरवान्वित किया! अंत में संस्था के उपाध्यक्ष श्री सर्वेश उपाध्याय सरस जी आभार प्रदर्शन किया इस समारोह में राहुल चौहान, नंदन मिश्र, मृदुल ,संगीता शर्मा ,दीपांजलि दुबे, नाथूलाल,प्रदीप अवस्थी आदि सभी मौजूद रहे!

नम आंखों से दी अंतिम विदाई

श्योपुर। श्योपुर जिले की बड़ौदा तहसील में बजरंग दल के प्रखंड अध्यक्ष समाजसेवी महावीर सिंगोरिया की हृदयगति रुक जाने से मौत हो गई। ज्ञात हो कि समाजसेवा में सदैव ततपर रहने वाले महावीर सिंगोरिया द्वारा जनहित के मुद्दों पर भी अच्छी पकड़ थी। सदैव जनहितैषी मुहिम के साथ व समाजसेवा के लिए ततपर रहते थे। जहा महावीर सिंगोरिया को आज उनके निजी निवास से अंतिम विदाई दी जैसे ही शवयात्रा निकली हर कोई नगर वासी मायूस नजर आया अंतिम यात्रा में हजारों लोग शामिल हुए।

लहार पुलिस ने घटना के 24 घण्टे में दबोचा 307 का एक आरोपी

लहार थाना प्रभारी उपेंद्र छारी के निर्देश पर लहार थाना एस.आई आदिल खान की कार्यवाही

लहार(अर्पित गुप्ता)

पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह के निर्देशन में एबम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव कंचन एवम एस.डी.ओ.पी लहार अवनीश बंसल के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे धर पकड़ अभियान के तहत आज थाना प्रभारी लहार उपेंद्र छारी की अगुवाई में लहार थाना एस.आई आदिल खान ने बिगत तीन तारीक को लहार थाना क्षेत्र के ग्राम लालपुरा में हुई गोलीबारी का एक आरोपी घटना के 24 घण्टे में ही दबोच लिया लहार थाना एस.आई आदिल खान को मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि आपके थाने में हत्या के प्रयास का एक आरोपी कही भागने की फिराक में लपवाह के पास खड़ा है मुखबिर की सूचना पर तुरंत तस्तीक करते हुए एक टीम गठित की गई जिसमें लहार थाना के सिंघम एस.आई सत्येंद्र सिंह कुशवाह एवम टीम के साथ मुखबिर के बताए स्थान पर दबिश दी गयी

जैसे ही पुलिस मुखबिर के बताए स्थान पर पहुँची आरोपी ने भागने का प्रयास किया पर नाकामयाब रहा और उसे दबोच कर लहार थाने लाया गया और उससे पूंछतांछ की गई तो पूंछतांछ में उसने अपना नाम सरनाम उर्फ सन्ने पुत्र भोगीराम धानुक उम्र 40 बर्ष निबासी लालपुरा का होना बताया आरोपी के खिलाफ लहार थाने के अपराध क्र.325/20 धारा 307,294,506, 34 में प्रकरण पंजीबद्ध है जिसे आज माननीय न्यायालय में पेश कर दाखिले हबालात किया गया लहार थाना पुलिस की इस कार्यबाही में थाना प्रभारी उपेंद्र छारी की टीम में एस.आई सत्येंद्र सिंह कुशवाहा, एस. आई आदिल खान,आरक्षक पंकज शर्मा, उग्रसेन गुर्जर, सुनील शर्मा, अनिल मिश्रा, शैलेन्द्र सिंह,बिसाल भदौरिया, अजय भारद्वाज एवम आरक्षक चालक धारा की सराहनीय भूमिका रही।

कोविड-19 को रोकने के लिए ग्राम पंचायत द्वारा संपूर्ण प्रयास किए जाएंगे

पाली. नेनाराम सिरवी. 6अक्टूबर 2020.विश्वव्यापी महामारी के चलते बढ़ते प्रकोप को देखकर जिला प्रशासन द्वारा दिए गए निर्देशों की पालना के अनुसार पाली पंचायत समिति के अंतर्गत ग्राम पंचायत सोडावास द्वारा संपूर्ण प्रयास किए जाएंगे.ग्राम पंचायत सरपंच राधा देवी सीरवी द्वारा बताया गया कि कोविड-19 को रोकने के लिए ग्राम पंचायत द्वारा आमजन को सोशल डिस्टेंस की महत्वपूर्ण जानकारी प्रतिदिन दी जा रही. ग्राम पंचायत के संपूर्ण जनप्रतिनिधि एवं ग्राम पंचायत के अधीन आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आशा सहयोगिनी एवं शिक्षा विभाग चिकित्सा विभाग सफाई कर्मी आदि सहित सभी राजकीय कर्मियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा.राधा देवी सिरवी द्वारा बताया गया कि कोविड-19 को रोकने के लिए ग्राम पंचायत द्वारा जन जागरूकता अभियान के तहत मास्क एवं अन्य महत्वपूर्ण जानकारी आमजन को दी जाएगी. पंचायती राज विभाग ग्रामीण के तहत विकास के योजना के बारे में बताया कि ग्राम पंचायत द्वारा सुलभ शौचालय ग्रेवल सडक का कार्य शुरू करवाया गया.नल जल योजना के तहत बताया गया कि ग्राम पंचायत द्वारा संपूर्ण प्रयास किया जा रहा.

धर्म दूसरों के दोषों पर दृष्टि न डालें- गणाचार्य श्री विरागसागरजी मुनिराज

मैं हमेशा रागद्वेष में ही संलग्न रहा अब कुछ अपने लिए करना है और उन राग-द्वेष परियाामों से मुक्ति पाना हैजब ऐसे भाव व्यक्ति में आ जाते है तो फिर दृष्टि पर के दोषों पर नहीं जाती है बुराई, दूसरों की निंदा के भाव नहीं होते। दृष्टि पर द्रव्यों से हटकर निज द्रव्य पर केंद्रित हो जाती है कि मुझे, मुझमें ही एकीकार करना है। पर द्रव्यों में न तो मेरा प्रवेश है न त्रिकाल में प्रवेश होना संभव है। जब यह ध्रुव सत्य है तो क्यों न मैं उस ही स्वीकार करूँजब साधक चिंत की उत्कृष्टता को प्राप्त होता है तो पर में न राग भाव होता है न द्वेष भाव। संपूर्ण पर द्रव्ये के प्रति माध्यस्थ्य, उपेक्षा भाव जाग्रत हो जाता है। फिर व्यक्ति न तो पर निंदा करता है न आत्म प्रशंसा, क्योंकि वह जानता है कि मेरी तरह प्रत्येक आत्मा का स्वचतुष्टय पृथक-पृथक स्वाधीन है तथा समान है। फिर ऊँच-नीच का

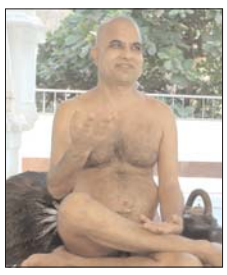

भेद ही समाप्त है उस भगवती शक्ति पर दृष्टि जाते ही राग-द्वेष का विलय हो जाता है और परम वीतराग समरसी भाव जाग्रत हो जाता है। परंतु जो व्यक्ति स्व द्रव्य को छोड़ पर द्रव्यों को ही देखता रहता है। उसे मात्र दोष ही दोष दिखाई देता है। ये उपदेश भिण्ड में विराजमान पूज्य गणाचार्य श्री विरागसागर जी मुनिराज देते हुए आगे कहा कि- परंतु ऐसा भी न हो कि आप दूसरों की बुराई पर पर्दा डालते जाओ तो उसका भविष्य ही बिगड़ जायेगा इसलिए सम्यग्दृष्टि उपगूहन के साथ-साथ स्थितिकरण भी करता है जो ऐसा कहे हमें क्या करना उनसे, वे सोते है तो सोनेदो, उनके ही व्रत में दोष लगेगा, श्रावक उन्हें सोता देखेंगे तो उनकी ही हँसी निकालेंगे, हमारा क्या चला जायेगा जो जैसा करता करने दो हमें क्या मतलब, हमें क्या लेना-देना। हम बोलकर क्यों बुरे बनें? जिसके मन में साधर्मी के प्रति ऐसे उपेक्षा भाव आ गये वह सम्यग्दर्शन का पालन नहीं कर सकता, उसका सम्यग्दर्शन निर्मलता को प्राप्त नहीं हो सकता। यदि हम देख रहे हैं कि दूसरा गड्ढे में गिर रहा है और हमारे भाव उसे सीलने के न हों तो वह भी ठीक नहीं है। सम्यग्दृष्टि जीव गिरते को सदैव हाथ का सहारा देता है। यद्यपि यह भी सत्य है कि हमें साधर्मी के साथ प्रेम व वात्सल्य के साथ, उसकी मर्यादा का ध्यान रखते हुए कोई बात बोतना चाहिए। यदि आप अपने साधर्मी को अपना भाई न समझकर गुरु की तरह डाँटने-फटकारने लग जाओगे तो वह आपकी अच्छी बात को भी स्वीकार नहीं कर पायेगा। क्योंकि गुरु तो एक ही होते हैं। गुरु की वह सुन भी लेगा क्योंकि वे गुरू हैं। परंतु आपकी नहीं सुन पायेगा। इसलिए साधर्मी के साथ मित्रवत् बात करिये।

-डॉ. महेन्द्रकुमार जैन मनुज,
इन्दौर 9826091247

साइबर पुलिस ने गुम हुए मोबाइल ढूंढकर लौटाए

श्योपुर ब्यूरो

पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय के मार्गदर्शन व अतरिक्त पुलिस अधीक्षक पीएल कुर्वे के निर्दशन में कार्यवाही करते हुए पुलिस के साइबर सेल ने 54000/-रुपये कीमती 06 मोबाइल ढूंढ निकाले है।गौरतलब हो कि लोंगो ने अपने मोबाइल सफर के दौरान,काम के दौरान या कही आने जाने के दौरान खो जाने की सूचना पुलिस को दी थी।जहाँ इन सभी मामलों को साइबर सेल टीम को सुपुर्द कर दिया गया था। साइबर सेल की टीम ने मोबाइल फोन के ऑन होते ही उनकी लोकेशन व नंबर पता करते हुए संबंधितों से चर्चा कर वापस लिया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पीएल कुर्वे द्वारा ये सभी मोबाइल उनके मालिकों को सुपुर्द कर दिए गए। पुलिस ने जिन लोगों को मोबाईल खोज कर लौटाए है। उनमें शंकर सुमन,देवीशंकर,विकाश दीक्षित, ब्रह्मानंद मित्तल,शिवचरण व रामदीन जाटव के नाम शामिल है। खोए हुए मोबाइलों को दस्ताबाब करने में सायबर सैल के सौरभ व्यास, प्रियल पाठक, जया परागी की अहम भूमिका रही।

अवैध शराब सहित तस्कर बड़ोनी पुलिस की गिरफ्त में

ब्यूरो चीफ संगीत प्रधान की रिपोर्ट

आज दिनांक को बड़ग़ोर तिराहे से मुखबिर कि सूचना पर नरोत्तम रावत पुत्र साहिब सिंह रावत उम्र 24 साल निवासी सहिडा खुर्द को टू व्हीलर गाड़ी से 25 लीटर कच्ची शराब तथा 02 पेटी बीयर की बोतल सहितअवैध परिवहन करते हुये गिरफ्तार किया गया मौके पर आरोपी के कब्जे से यमाहा कंपनी की मोटर साइकिल व 7000 कीमत की कच्ची शराब जप्त की गई। आरोपी के विरुद्ध पूर्व में भी बड़ोनी थाने में अवैध शराब परिवहन करने व बेचने के प्रकरण पंजीबद्ध है। आरोपी की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी बडोनी रविन्द्र शर्मा प्र. आर. लक्ष्मीनारायण मिश्रा, राम सिंह, आर महेंद्र की मुख्य भूमिका रही।

सिरसौद के बड़ी माता मंदिर पर लोधी सेना संगठन की मीटिंग संपन्न हुई

रिपोर्टर पुष्पेन्द्र राजपूत दिनारा शिवपुरी

शिवपुरी/ अमोला थाना क्षेत्र के अंतर्गत सोमवार को सिरसौद मंडल के हनुमान खेड़ापति मंदिर पर लोधी सेना संगठन का आयोजन किया गया। जिसमें सिरसौद मंडल के युवाओं ने भाग लिया। इस मीटिंग का आयोजन सिरसौद मंडल के लोधी सेना संगठन के अध्यक्ष रामकुमार लोधी जी ने किया। सबसे पहले वीरांगना महारानी अवंतीबाई लोधी जी की तस्वीर पर तिलक लगाकर, पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लोधी सेना संगठन के जिला अध्यक्ष रामू लोधी और लोधी सेना संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष अभिषेक लोधी ने सिरसौद मंडल के युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि अब तक लोधी समाज का केवल अपमान होता आया है, 1857 की क्रांति की महान वीरांगना अवंती बाई लोधी जी ने देश की खातिर अपना जीवन बलिदान कर दिया फिर भी उनका इतिहास में ज्यादा उल्लेख नहीं है, लेकिन अब हम सबको मिलकर अपने करैरा विधानसभा से शुरुआत करके रानी अवंती बाई जी की प्रतिमा देश के कोने- कोन में स्थापित करना है। लेकिन अभी हमारा पहला लक्ष्य करेरा में लोधी समाज की महान वीरांगना अवंती बाई लोधी जी की प्रतिमा को स्थापित कराना है। इसके लिए सभी युवाओं ने संकल्प लिया है जो भी पार्टी हमारे लिए वीरांगना अवंती बाई लोधी जी के लिए करेरा विधानसभा में प्रतिमा को स्थापित करने के लिए जो भी जमीन स्वीकृत कराएगा उसके लिए हमारे लोधी सेना संगठन के समस्त युवा साथी अपना और अपने संबंधियों का बोट देंगे। इस शुभ अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष रामखेलावन लोधी,प्रदेश सोसल मीडिया प्रभारी इंदर सिंह लोधी, अजब सिंह लोधी, रामू लोधी जिला अध्यक्ष छात्र सेना संगठन, अभिषेक लोधी(बगरौदा) ब्लॉक अध्यक्ष लोधी सेना संगठन करेरा, रामकुमार लोधी मंडल अध्यक्ष सिरसौद, आनंद लोधी (बगरौदा) अभिषेक का भाई, राघवेंद्र लोधी, लक्ष्मीनारायण लोधी, मंदिर के पुजारी जी, विवेक लोधी (बगरौदा), सुमित बॉस समोसा, योगेश लोधी, रोहित लोधी, संतोष लोधी, दीपक भाई, खलक सिंह,पुष्पेन्द्र, सतेंद्र, मंगल, धर्मेन्द्र, प्रदीप, अतुल, रविकुमार, ऋषि, शिवप्रताप, आशीष,नीलेश आदि लोधी सेना संगठन के पदाधिकारी उपस्थित।

बयालीस हजार की देसी शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार,मोटर सायकल जप्त...

केशब पडित जी अम्बाह...

जौरा... अलापुर नहर की पुलिया के रास्ते कैलारस की ओर ले जाई जा रही अवैध देसी शराब की सात पेटीयो के साथ शराब तस्कर को गिरफ्तार कर पुलिस ने मोटरसाइकिल को जप्त कर लिया है. एसडीओपी सुजीत सिंह भदोरिया के निर्देशन में चलाए जा रहे गुंडा बदमाश एवं अवैध शराब कारोबार से जुड़े अपराधियों की धरपकड़ अभियान के अंतर्गत सोमवार को मुखबिर की सूचना पर अलापुर नहर की पुलिया के रास्ते मोटरसाइकिल पर रखकर कैलारस की ओर ले जाई जा रही अवैध देसी शराब की सात पेटियों के साथ शराब तस्कर मदन पुत्र सियाराम जाटव(24)नि.पुराना जौरा को गिरफ्तार किया जाकर आबकारी एक्ट का मामला पंजीबद्ध किया गया है पुलिस के अनुसार अवैध शराब परिवहन मे लिए प्रयुक्त की जा रही होंडा शाइन मोटर सायकल बिना रजिस्ट्रेशन नंबर की पाई गई है जिसकी कीमत 50 हजार एवं पुलिस द्वारा पकड़ी गई शराब की कीमत 42 हजार रुपए होना बताई गई है कार्रवाई मे थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह कुशवाह व उनकी पुलिस टीम शामिल थी.

ग्रामीण आदिवासियों को काढ़ा वितरण कर कोरोना संकट काल में इम्यूनिटि बढ़ाने के लिये

जागरूकता कार्य माधव महाविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा: प्रो. अदालतवाले

कोविड-19 के समय माधव महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा काढ़ा वितरण गोद गॉव बस्ति में

ग्वालियर। स्वस्थ शरीर के लिये हमारी दिनचर्या एवं सेहत का हमें ध्यान रखना चाहिए खास करके कोविड-19 कोरोना संकंट काल में जागरूकता के साथ खान-पान का भी विषेष ध्यान रखना पड़ेगा। विष्वव्यापी कोरोना संकट काल में भारत वर्ष के रिकवरी रेट विष्व में अच्छी है क्योंकि यहां के लोग इम्यूनिटि बढ़ाने के लिये काढ़े का इस्तेमाल कर रहे है माधव महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई द्वारा कोविड-19 के समय अनेक प्रकार के कार्य किये गये जिसके अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में संकट बढ़ने की संभावना है जिसको देखते हुये डॉ. संजय कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में राष्ट्रीय सेवा योजना माधव महाविद्यालय ग्वालियर ने ग्रामीण क्षेत्र में आदिवासियो को काढ़े का वितरण किया। काढ़ा मनुष्य की रोकप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है साथ ही कोरोवा वायरस से लड़ने में काफी मददगार साबित होता है। काढ़ा वितरण कार्यक्रम में प्रो. रविकांत अदालतवाले समन्वयक रासेया प्रकोष्ठ जीवाजी विष्वविद्यालय, डॉ. मनोज अवस्थी जिला संगठक ग्वालियर, वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय कुमार आकाष अष्ठाना एवं पुनीत बंसल उपस्थित थे।

पाण्डेय राष्ट्रीय सेवा योजना माधव महाविद्यालय, राष्ट्रीय सेवा योजना का मूल उद्देष्य विष्वव्यापि संकट काल में लोगो को जागरूक कर सहायता पहुचाना है। काढ़ा मनुष्य को स्फूर्ति व ताजगी परिपूर्ण कर देता है आयुर्वेदिक काढ़ा होने की वजह से इसका कोई नुकसान नहीं है। शरीर को स्वस्थ्य रखने के लिये काढ़ा व हल्दी को सेवन कोरोना संकट काल में अवष्य करना चाहिए। जिससे हम कोरोना वायरस को मात देकर स्वयं अपने परिवार के जीवन को सुरक्षित रख पाए। डॉ. अदालतवाले ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार के जागरूकता संदेष कम पहुंच पा रहे है। ग्रामीण आदिवासियों को काढ़े का उपयोग बताने के लिये माधव महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई ग्रामीण क्षेत्रो में जाकर गोदग्राम बस्ती में आदिवासियो को काढ़े के पैकेट का वितरण कर उसके उपयोग व फायदे के बारे में बताया। कार्यक्रम में तरूण रोहिरा, अंकुष चौरसिया, योगेष्वर माहौर, अंजलि गोयल, हेमन्त मांझी, यष किरार, पूर्वी बोरगॉवकर अनिरूद्ध शर्मा आकाष राणा अनुभव दीक्षित आदि लोग उपस्थित थे।

माफियाओं को बक्शा नहीं जाएगाः मुख्यमंत्री श्री चौहान

जनता के साथ धोखाधड़ी करने वाली कम्पनी की 90 सम्पत्तियां कुर्क

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश में किसी भी प्रकार के माफिया और जनता के साथ धोखाधड़ी करने वाली चिटफंड कम्पनियों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही के निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश की जनता के साथ धोखाधड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। धोखाधड़ी करने वाली चिटफंड कम्पनियों को जड़ से उखाड़ा जाएगा और उनके विरूद्ध कड़ी कानूनी कार्यवाही भी की जाएगी, जिससे धोखाधड़ी करने वालों के मन में खौफ पैदा हो और प्रदेश की जनता धोखाधड़ी से बच सके।

प्रदेश की जनता के साथ धोखाधड़ी करने वालों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान में सांई प्रसाद प्रायवेट लिमिटेड कम्पनी की प्रदेशभर में 90 अचल सम्पत्तियां कुर्क की गई हैं। सीहोर जिले में लगभग 130 निवेशकों के करीब साढ़े तीन करोड़ रूपये की राशि उक्त कम्पनी में फंसे होने से कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सीहोर द्वारा सांई प्रसाद प्रायवेट लिमिटेड कम्पनी के विरूद्ध सम्पत्ति कुर्की का आदेश जारी किया गया है। सीहोर जिले के पुलिस थाना गोपालपुर के अपराध क्रमांक 17/2020 और थाना कोतवाली सीहोर में दर्ज अपराध क्रमांक 664/2016 के तहत पुलिस अधीक्षक सीहोर द्वारा जिला कलेक्टर को प्रतिवेदन प्रस्तुत कर सांई प्रसाद प्रायवेट लिमिटेड कम्पनी में निवेशकों की राशि फंसे होने की सूचना दी गई। निवेशकों के धन वापसी एवं सुरक्षा की कोई व्यवस्था न होने से तीन अनावेदकों बालासाहब भापकर निवासी चिंचवाड पुणे, धर्मेन्द्र खाती निवासी सुनेड और समर सिंह मीणा निवासी गुलरपुरा नसरूल्लागंज की अचल सम्पत्ति कुर्क किये जाने की कार्यवाही के लिये लिखा गया। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सीहोर श्री अजय गुप्ता द्वारा पुलिस अधीक्षक के प्रतिवेदन पर न्यायालयीन आदेश पारित करते हुए सांई प्रसाद प्रायवेट लिमिटेड कम्पनी के डायरेक्टर बाला साहब भापकर की मध्यप्रदेश के 11 जिलों में स्थित 90 सम्पत्तियों को राजसात कर कुर्क किये जाने के अंत कालिक आदेश पारित किया गया है। बाला साहब भापकर की जो सम्पत्तियां कुर्क की गई है, उसमें बालाघाट, ग्वालियर, बीना (सागर), सीहोर, हरदा और विदिशा जिले में एक-एक, आगर-मालवा जिले में 45, खरगौन जिले में 28, उज्जैन जिले में 5, भोपाल जिले में 4 और इंदौर जिले में 2 अचल सम्पत्तियां कुर्क की गई है। एक अन्य आदेश में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सीहोर ने धर्मेन्द्र खाती निवासी सुनेड की ग्राम सुनेड में भूमि सर्वे नम्बर 106/2/1/1क, 108, 109 रकबा 1.274 हेक्टेयर, एक अल्टो कार और एक टीवीएस जुपीटर स्कूटी कुर्क करने के आदेश पारित किये हैं। इसके साथ ही अमर सिंह मीणा निवासी गुलरपुरा नसरूल्लागंज की ग्राम गुलरपुरा में भूमि सर्वे नम्बर 2/2/1/3,16/1/2 रकबा 2.366 हेक्टेयर भूमि, ग्राम गुलरपुरा में 30 बाय 30 वर्गफीट में अधपक्का ईट-कबेलू का मकान और ग्राम नसरूल्लागंज में एक पक्का मकान कुर्क करने का आदेश पारित किया है।

कलेक्टर सीहोर ने पारित किया आदेश

सीतापुर में हड्डी रोग विशेषज्ञ का घूस लेते वीडियो वायरल

सीतापुर। सीतापुर में रविवार को सीएचसी लहरपुर में तैनात हड्डी रोग विशेषज्ञ का घूस लेते वीडियो वायरल होने से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। मामला उच्चाधिकारियों के पास पहुंचने के बाद जांच पड़ताल शुरू की गई। सीएचसी लहरपुर में संविदा पर तैनात अर्थो विशेषज्ञ डॉ. संदीप गोयल का ऑपरेशन के नाम पर घूस लेते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। जिसका संज्ञान लेते हुए सीएचसी अधीक्षक ने मामले से उच्चाधिकारियों को अवगत कराया। पीड़ित पक्ष ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि उसके एक मरीज का ऑपरेशन होना था, जिसके लिए सीएचसी पर तैनात अर्थो रोग विशेषज्ञ डॉ. संदीप गोयल ने घूस मांगी। पीड़ित पक्ष ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होने पर स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। मामले की जानकारी पाकर उच्चाधिकारियों ने सीएचसी अधीक्षक डॉ. आनंद मित्रा से जानकारी करने के बाद उनसे जांच रिपोर्ट प्रेषित करने के लिए कहा गया। सीएचसी अधीक्षक ने बताया कि मामले की रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को प्रेषित की गई है। उनके आदेशानुसार आरोपित चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

...ऑनलाइन शैक्षिक संवाद के दौरान

अचानक चलने लगी अश्लील फिल्म और फिर

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर में रविवार दोपहर को आयोजित प्रदेश स्तरीय ऑनलाइन शैक्षिक संवाद कार्यक्रम में उस समय काफी असहज स्थित उत्पन्न हो गई जब अचानक अश्लील फिल्म चल गई। दरअसल, राज्य शिक्षा केंद्र ने सरकारी स्कूल के शिक्षकों के लिए रविवार दोपहर करीब तीन बजे से प्रदेश स्तरीय शैक्षिक संवाद का आयोजन किया था। शिक्षक पुरस्कार व अन्य विषयों पर चर्चा के लिए लिंक भी प्रदेश स्तर से भेजी गई। कार्यक्रम में करीब पांच सौ पुरुष व महिला शिक्षक जुड़ गए। इसी दौरान किसी ने एप हैक कर अश्लील फिल्म चला दी, जिससे हड़कंप मच गया। आनन-फानन में कार्यक्रम बंद करना पड़ा। दोषी के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं। बताया गया है कि शैक्षिक संवाद का न्योता प्रदेशभर के शिक्षकों को दिया गया था। आयोजक हैदराबाद की एक अंतरराष्ट्रीय संस्था थी। राज्य शिक्षा केंद्र ने सभी जिलों के समन्वयकों को सूचित कर शिक्षकों को सहभागी बनने के लिए लिंक भेजी थी।

ऑनलाइन शैक्षिक संवाद में करीब 500 शिक्षक व एनसीईआरटी और प्रदेश के शिक्षा सचिव आदि जुड़ चुके थे। जैसे ही कार्यक्रम शुरू हुआ, चंद मिनट बाद ही अश्लील फिल्म चलने लगी। यह देखकर प्रदेश के शिक्षक व अतिथि हतप्रभ रह गए। राज्य शिक्षा केंद्र के समन्वयक ने कार्यक्रम को तुरंत बंद करा दिया। हैदराबाद में जिस आइटी कंपनी ने लिंक तैयार की थी, उसे सूचित कर दोषी के खिलाफ एफआइआर के निर्देश दिए गए हैं।

राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के शिक्षक संदर्भ समूह के समन्वयक डॉ. दामोदर जैन का कहना है कि हैदराबाद की जिस कंपनी ने लिंक तैयार की थी, उसे हमने सूचना दे दी है। लिंक को किसी ओम यादव नाम की प्रोफाइल ने है किया था। घटना शर्मसार करने वाली है। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें: कलेक्टर

रायसेन । कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव ने सांची विधानसभा उपचुनाव के लिए की जा रही तैयारियों और कार्यवाहियों की समीक्षा करते हुए सभी शासकीय सेवकों आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी शासकीय सेवक निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन पूरी गंभीरता और निष्ठा के साथ पालन करें। बैठक में कलेक्टर श्री भार्गव ने कहा कि उपचुनाव के लिए अभ्यर्थियों द्वारा नामांकन पत्र जमा करने की तिथि 09 अक्टूबर से 16 अक्टूबर तक रायसेन एसडीएम कार्यालय में जमा किए जाएंगे। उन्होंने एसडीएम श्री एलके खरे को नामांकन पत्र जमा किए जाने संबंधी सभी व्यवस्थाएं पर्याप्त समय पहले पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री भार्गव ने अवगत कराया कि निर्वाचन सामग्री वितरण का कार्य तथा मतगणना शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज रायसेन में की जाएगी, इसलिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं तत्काल पूर्ण कर ली जाए।

टीएल बैठक में कलेक्टर ने की उपचुनाव तैयारियों की समीक्षा

कलेक्टर श्री भार्गव ने निर्देश दिए कि निर्वाचन ड्यूटी में संलग्न अमला पूरी गंभीरता से प्रशिक्षण प्राप्त करें जिससे कि निर्वाचन कार्य सुचारू रूप से सम्पन्न कराने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने मतदान और निर्वाचन संबंधी सभी कार्यवाहियों के दौरान कोविड-19 संक्रमण से बचाव के लिए जारी निर्देशों का पालन करने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा 80 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके मतदाताओं, दिव्यांग मतदाताओं, कोरोना पॉजीविट मतदाताओं तथा निर्वाचन कार्य में लगे वाहनों के चालकों को डाक मतपत्र की सुविधा प्रदान की जाएगी। श्री भार्गव ने पीओ डूडा सहित सभी नगरीय निकायों के सीएमओ तथा जनपद सीईओ को आधार सीडिंग का 95 प्रतिशत कार्य तीन दिवस के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री अनिल डामोर, सीईओ जिला पंचायत श्री पीसी शर्मा, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मकसूद अहमद खान तथा डिप्टी कलेक्टर श्री प्रमोद गुर्जर सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

प्रख्यात रंगकर्मी विलायत जाफरी का मुम्बई में निधन

लखनऊ। मुहब्बत तो सबने कभी न कभी, किसी न किसी से की होगी, लेकिन मुहब्बत की असल परिभाषा जाननी हो तो थोड़ा लखनऊ को समझ लीजिए। जैसे मुहब्बत में अपनी पहचान बरकरार रखते हुए प्रेमी एक-दूसरे में समा जाते हैं, जैसे गंगा और जमुना अलग दिखते हुए भी संगम में एक हो जाती हैं, वैसे ही लखनऊ भी है। लखनऊ की संस्कृति में रचे बसे विलायत जाफरी हमारे बीच नहीं रहे, लेकिन उनकी शक्सियत और संस्कृति के प्रति उनका योगदान हमेशा हमारे बीच रहेगा। दो अक्टूबर 1935 को रायबरेली में जन्म लेने वाले विलायत जाफरी ने लखनऊ विश्वविद्यालय में शिक्षा ली। भारत सरकार के सॉन्ग एंड ड्रामा डिवीजन में काम किया।

मप्र उपचुनाव: 25 सीटों पर बीजेपी उम्मीदवारों के नाम तय

भोपाल। मध्य प्रदेश उपचुनाव के सिलसिले में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के दिल्ली जाने के साथ ही माना जा रहा है कि बीजेपी प्रत्याशियों की सूची कभी भी जारी हो सकती है। मुख्यमंत्री दिल्ली में बीजेपी केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में शामिल हुए हैं। वैसे तो यह बैठक बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर बुलाई गई थी, लेकिन माना जा रहा है कि बैठक के दौरान मध्य प्रदेश में होने वाले 28 सीटों के उपचुनाव को लेकर भी चर्चा की गई है।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, बीजेपी ने 25 सीटों पर प्रत्याशियों के नाम तय कर लिए हैं। इनमें उन नेताओं के नाम भी शामिल हैं, जो कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए हैं। तीन सीटों के लिए नामों का पैनल तैयार किया गया है। ये तीन सीटें हैं- जौरा, आगर मालवा और ब्यावरा।

1-बीजेपी ने सुमावली से एदल सिंह कंसाना
2- ग्वालियर पूर्व से मुन्नालाल गोयल
3- पोहरी से सुरेश धाकड़

4- मुंगावली से बृजेंद्र सिंह यादव
5- सुर्खी से गोविंद सिंह राजपूत
6- मांधाता से नारायण पटेल
7- बदनावर से राजवर्धन सिंह
8- सुवासरा से हरदीप सिंह डंग
9- दिमनी से गिर्राज दंडोतिया
10- अंबाह से कमलेश जाटव
11- गोहद से रणवीर जाटव
12- ग्वालियर से प्रद्युमन सिंह तोमर
13- डबरा से इमरती देवी
14- भांडेर से रक्षा संतराम सिरोनिया
15- करैरा से जसमन्त जाटव
16- नेपानगर से सुमित्रा देवी
17- सांवेर से तुलसी सिलावट
18- बमौरी से महेंद्र सिंह सिसोदिया
19- अशोकनगर से जसपाल जज्जी
20- अनूपपुर से बिसाहूलाल सिंह
21- सांची से प्रभु राम चौधरी
22- हाटपिपलिया से मनोज चौधरी
23- बड़ा मलहरा से प्रद्युमन सिंह लोधी
24- मुरैना से रघुराज सिंह
25- कंसाना से ओपीएस भदौरिया के नाम तय किए हैं।

वहीं, बीजेपी ने तीन सीटों के लिए पैनल तैयार किया है। इनमें जौरा, आगर मालवा और ब्यावरा सीट शामिल हैं। सूत्रों की माने तो जौरा सीट से सूबेदार सिंह आगर और मालवा सीट से बंटी ऊंटवाल को टिकट मिलना तय है। ब्यावरा सीट को लेकर पार्टी अभी नाम तय नहीं कर पाई है। ये तीनों सीटें विधायकों के निधन की वजह से खाली हुई थीं।

नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रभावी रूप से चलाएं मतदाता जागरूकता अभियान: कलेक्टर

रायसेन। सांची विधानसभा उपचुनाव में अधिक से अधिक मतदाताओं की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए जागरूकता गतिविधियों के आयोजन के संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री उमाशंकर भार्गव की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में स्वीप की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री भार्गव ने लोगों में मतदान के प्रति उत्साह बढ़ाने के लिए नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न मतदाता जागरूकता गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री भार्गव ने कहा कि मतदाताओं को उनके मताधिकार का महत्व बताते हुए विधानसभा उपचुनाव में नैतिक मतदान करने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि मतदाताओं को ईवीएम तथा वीवीपैट से मतदान करने की प्रक्रिया की भी जानकारी दी जाए ताकि मतदाता सहज रूप से मतदान कर सकें। सीईओ जिला पंचायत एवं नोडल अधिकारी स्वीप श्री पीसी शर्मा ने मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए

स्वीप गतिविधियों के आयोजन के संबंध में बैठक आयोजित

सांची विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक मतदान केन्द्र पर मतदाता जागरूकता संबंधी गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विगत चुनावों में कम मतदान प्रतिशत वाले मतदान केन्द्रों और महिला मतदाताओं को उपचुनाव में मतदान हेतु जागरूक करने के निर्देश दिए।

सीईओ जिला पंचायत श्री पीसी शर्मा ने स्वीप गतिविधियों के दौरान कोविड-19 संक्रमण से बचाव के लिए जारी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए कहा। बैठक में सांची विधानसभा क्षेत्र के सभी बैंक, पोस्ट ऑफिस, पेट्रोल पम्प, शासकीय कार्यालयों सहित सार्वजनिक स्थलों पर मतदाता जागरूकता संबंधी फ्लेक्स, पोस्टर, बैनर लगाए जाने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। रसोई गैस, बिजली बिल, अस्पताल के पर्चे पर भी मतदाता जागरूकता संदेश लिखे जाने के निर्देश दिए गए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री अनिल डामोर, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मकसूद अहमद खान, डिप्टी कलेक्टर श्री प्रमोद गुर्जर सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

हाथरस के आरोपियों से मिलने पहुंचे बीजेपी सांसद, जेलर ने नहीं दी अनुमति

हाथरस। हाथरस में कथित गैंगरेप का मुद्दा देश भर में छाया हुआ है। विपक्षी पार्टियां एक ओर जहां सरकार को इस मामले में घेर रही हैं, वहीं शासन ने इस मामले की जांच सीबीआई से करवाने का पत्र केंद्र सरकार को भेज दिया है। इस कांड के चारों आरोपियों से मिलने स्थानीय बीजेपी सांसद राजवीर सिंह दिलेर जेल पहुंचे, लेकिन जेलर ने उन्हें मिलने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। हालांकि, सांसद ने इस बात से इनकार किया है कि वह आरोपियों से मिलने गए थे।

आप विधायक की बड़ी लापरवाही, कोरोना संक्रमित होने के बावजूद

हाथरस में पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे

हाथरस में पीड़ित परिवार से मिला आप का प्रतिनिधमंडल

आम आदमी पार्टी यूपी प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह और दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री राजेंद्र पाल गौतम के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को हाथरस कांड के पीड़ित के परिजनों से मुलाकात की। प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने कहा कि पार्टी हाथरस की घटना के बाद से ही पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए मुखर है।

लखनऊ। हाथरस मामले के बीच आप विधायक की बड़ी लापरवाही सामने आई है। पांच दिन पहले कोरोना पॉजिटिव पाए गए विधायक कुलदीप कुमार कार्यकर्ताओं के साथ हाथरस पहुंच गए। नियम के मुताबिक उन्हें होम आईलेशन पर होना चाहिए। इसके बावजूद वह हाथरस में पीड़ित परिवार से मिलने पहुंच गए। पीड़ित परिवार से मिलकर विधायक ने ढांढस बंधाया। इस बीच आप विधायक ने यूपी सरकार पर जमकर हमला बोला। ट्वीटर पर उन्होंने लिखा कि योगी राज में कानून नहीं जंगल राज चल रहा है, ये लोकतंत्र और संविधान की हत्या है। उन्होंने कहा कि योगी राज में उत्तर प्रदेश के अंदर रह रहे परिवारों में डर और भय का माहौल पैदा किया जा रहा है। आपको बता दें कि 29 सितंबर को विधायक कुलदीप कुमार ने अपने पॉजिटिव होने की जानकारी ट्वीटर के जरिए दी थी। उन्होंने अपने ट्वीटर हैंडिल से छह दिन पहले लिखा था कि पिछले दो दिनों से मुझे हल्का बुखार होने की वजह से कोविड-19 का टेस्ट कराया था। जिसके बाद उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इसके बाद वह होम आईसोलेट हो गए हैं। साथ ही उन्होंने मिलने वाले सभी लोगों से टेस्ट कराने की भी सलाह दी थी। होम आईसोलेट पर होने के बाद भी विधायक कुलदीप सोमवार को हाथरस पहुंच गए।

निजीकरण के विरोध में बिजलीकर्मियों का

प्रदेशभर में प्रदर्शन, किया कार्य बहिष्कार

लखनऊ। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण के विरोध पर विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के नेतृत्व में सोमवार को बिजलीकर्मियों और अभियंताओं ने प्रदेशव्यापी कार्य बहिष्कार किया। राजधानी लखनऊ के शक्ति भवन में हजारों की संख्या में कर्मचारियों ने जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान संघर्ष समिति के संयोजक शैलेन्द्र दुबे ने कहा कि पावर कॉरपोरेशन प्रबंधन से निजीकरण प्रक्रिया वापस लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि पांच अप्रैल 2018 को ऊर्जा मंत्री श्रीकान्त शर्मा के साथ हुए लिखित समझौते ''उप्र में विद्युत वितरण निगमों की वर्तमान व्यवस्था में ही विद्युत वितरण में विश्वास में लिये बिना उप्र में किसी भी स्थान पर कोई निजीकरण नही

सुधार हेतु कर्मचारियों एवं अभियन्ताओं को विश्वास में लेकर सार्थक कार्यवाही की जायेगी। कर्मचारियों एवं अभियन्ताओं को किया जायेगा'' का पालन करते हुये पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के निजीकरण की प्रक्रिया को तत्काल निरस्त करने की मांग की। संघर्ष समिति के प्रतिनिधियों ने यह भी कहा कि समझौते के अनुसार प्रबन्धन बिजली कर्मचारियों, जूनियर इंजीनियरों एवं अभियन्ताओं को विश्वास में लेकर सार्थक कार्यवाही करें, जिस पर प्रबन्धन द्वारा कुछ भी पहल नही की गयी। संघर्ष समिति ने पुनः प्रस्ताव दिया कि समझौते के अनुसार निजीकरण की प्रक्रिया तत्काल निरस्त कर सुधार की कार्य योजना बनाई जाय जिसके लिये बिजलीकर्मी संकल्पबद्ध है। संघर्ष समिति के सुधार के संकल्प के बावजूद ऊर्जा निगम प्रबन्धन निजीकरण पर अड़ा रहा।

अमेठी में विद्युतकर्मियों का कार्य बहिष्कार जारी

अमेठी में विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले सम्पूर्ण कार्य बहिष्कार के दौरान अधीक्षण अभियंता कार्यालय पर विद्युत कर्मियों ने सभा आयोजित कर निजीकरण के विरोध में आवाज बुलंद की। कहा कि सरकार कर्मचारियों के विरोध में कार्य कर रही है। जब तक निजीकरण का प्रस्ताव वापस नही होगा कार्य बहिष्कार जारी रहेगा। वहीं सभा स्थल पर कानून व्यवस्था बनाये रखने के पुलिस व पीएसी के जवान तैनात किये गये हैं। सभा स्थल पर मौजूद एसडीएम संजीव कुमार मौर्य ने बताया किअधीक्षण अभियंता कार्यालय में जनपदीय कंट्रोल रूम बनाया गया है। जहां पर विद्युत सुरक्षा अधिकारी अंकित तिवारी मौजूद रहेंगे। किसी भी प्रकार की समस्या की जानकारी होने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। संविदा कर्मी सभी विद्युत उपकेंद्रों पर कार्य कर रहे हैं। विद्युत आपूर्ति जारी रहेगी। मौके पर सीओ अर्पित कपूर व कोतवाली प्रभारी अरुण द्विवेदी मौजूद रहे।

मुलायम सिंह यादव की बहु अपर्णा बोलीं- हमारे नेता जी बिल्कुल स्वस्थ

लखनऊ। औरैया के दिग्गज के समाजवादी नेता पूर्व एमएलसी मुलायम सिंह यादव का उनके पैतृक गांव ककोर के कढोरे का पुरवा में निधन हो गया। वह 92 साल के थे। उन्हें सपा संगरक्षक मुलायम सिंह यादव का बहुत खास माना जाता था। औरया में पूर्व एमएलसी मुलायम सिंह यादव के निधन की बात सुन कर लोग सकते में आ गए। हर कोई सपा संगरक्षक मुलायम सिंह यादव के स्वास्थ्य की जानकारी लेने लगा। इस बीच उनकी छोटी बहु अपर्णा यादव ने फेसबुक पोस्ट कर लिखा है- मुलायम सिंह यादव जी परमेश्वर की कृपा से पिताजी यानी आपके हमारे प्यारे नेताजी स्वस्थ है। राजनीति की गहरी समझ रखने वाले मुलायम सिंह यादव 1949 में गांव के सरपंच बने और लगातार पांच बार वह इस पद पर चुने गए। 1973 से 1988 तक वे भाग्यनगर के ब्लाक प्रमुख रहे और फिर 1990 में पहली बार विधान परिषद के लिए चुने गए। वर्ष 2010 तक लगातार वह स्थानीय निकाय निर्वाचन क्षेत्र से विधान परिषद के सदस्य रहे। पौत्र गौरव यादव ने बताया कि हाल ही में वह स्वास्थ्य लाभ लेकर कानपुर के अस्पताल से घर लौटे थे, लेकिन तबियत फिर बिगड़ गई। पार्टी नेतृत्व ने उनके निधन पर परिवार को शोक संदेश भेजा है।

कानपुर में पेंट फैक्ट्री में धमाकों के साथ लगी भीषण आग, 60 फुट तक उठी लपटें, घर छोड़ भागे लोग

कानपुर। यूपी के कानपुर में मंधना पचोर रोड पर सोमवार की सुबह एक पेंट फैक्ट्री में आग लग गई। पेंट में केमिकल होने के होने के कारण लगभग 50 धमाकों के साथ पूरा मंधना दहल गया। धुंआ का गुबार कई सौ मीटर की दूर से देखा जा सकता है। सूचना पर दमकल की आधा दर्जन से ज्यादा गाड़ियां मौके पर पहुंच चुकी है। फैक्ट्री में किसी मजदूर के न फंसे होने की बात अभी तक सामने आ रही है। कमल ग्रामोद्योग के नाम से पचोर रोड पर पेंट फैक्ट्री चलाई जा रही है। फैक्ट्री मालिक कमल धीर को घटना के बारे में जानकारी दी गई है। मजदूरों से मिली जानकारी के अनुसार सुबह लगभग 9-30 बजे वह लोग काम करने पहुंचे थे। सुबह के समय पांच मजदूर आए थे। जैसे ही उन्होंने फैक्ट्री का गेट खोला तो अंदर आग धधक रही थी। मजदूर बाहर की तरफ शोर मचाते हुए भागे और उन्होंने आसपास के लोगों को सूचना दी गई। ग्रामीणों ने पुलिस के अलावा फैक्ट्री मालिक को सूचना दी। इसी दौरान एक एक कर लगभग 50 धमाके हुए। ग्रामीण अपने घरों को छोड़कर सड़क की तरफ भाग निकले। धमाके इतने जोरदार थे की ड्रम के टुकड़े उड़कर 100 मीटर से अधिक दूरी तक गिरे। दमकल की गाड़ियां ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू कर दिया है। अधिकारियों के मुताबिक शार्ट सर्किट से आग लगने की आशंका है। अभी तक किसी मजदूर के फंसे होने की बात पुष्ट नहीं हो सकी है।

सम्पादकीय

हाथरस से सबक

हाथरस का इस तरह देश-दुनिया में चर्चा में आना न केवल दुखद, बल्कि शर्मनाक भी है। जो ज्यादती 14 सितंबर को हुई थी, उससे जुड़े जितने सच लोगों को नहीं पता, उससे कहीं ज्यादा अफवाह और सवाल हवा में हैं। बताने की कोशिश में इतने संशय पैदा हो गए हैं या छिपाने की कोशिश में? यह विडंबना ही है या समझ से जुड़ी कोई त्रासदी कि आज के सक्षम दौर में भी सूचनाओं पर खुले पहरे बिठाने की कवायद दिल्ली की सड़कों से हाथरस में बूलगढ़ी की गलियों तक नुमाया हुई है। क्या इस मामले को बूलगढ़ी या हाथरस के स्तर पर ही न्याय की दहलीज तक नहीं पहुंचाया जा सकता था? यदि अनेक कानूनी प्रावधानों के बावजूद हम महिलाओं और उसमें भी दलित महिलाओं की सुरक्षा नहीं कर पा रहे हैं, तो फिर हमें क्या किसी आईने में अपना चेहरा नहीं देखना चाहिए? बलात्कार की शिकार युवती की हालत यदि ज्यादा खराब थी, तो उसे पहले ही इलाज के लिए दिल्ली क्यों नहीं लाया गया? कौन लोग थे, जो हाथरस में उस युवती को न्याय दिलाने का कर्तव्य निभा रहे थे? इस मामले में कदम-कदम पर न केवल व्यावहारिक, बल्कि इतनी विधिगत गलतियां हुई हैं कि यह मामला प्रशासन के लिए एक मिसाल बन गया है। देश के लिए भी अति महत्वपूर्ण हो चुके इस प्रकरण के जरिए प्रशासन के विद्यार्थियों को पढ़ाया-सिखाया जा सकता है कि किस चरण में क्या नहीं करना चाहिए और क्या करना चाहिए। पिछले वर्ष के आंकड़े बताते हैं कि देश भर में हर दिन बलात्कार के 88 मामले सामने आते थे। इस साल भी स्थिति बहुत अलहदा नहीं होगी। लेकिन बेशक यह कुशल प्रशासन का ही नतीजा है कि चंद मामले ही चर्चा में आते हैं, ज्यादातर मामलों में स्थानीय स्तर पर ही यथोचित कार्रवाई कर दी जाती है। ऐसे में, यह समझना कठिन नहीं कि हाथरस का मामला विरल मामलों में कैसे शामिल हो गया? आखिर क्या जरूरत थी कि पीड़ित परिवार तक पहुंचने की तमाम कोशिशों पर पहरे बिठा दिए गए? कानूनी प्रावधानों को ताक पर रखकर कितने पत्रकारों की फोन टैपिंग हुई है? जब प्रशासन जरूरत से ज्यादा सवाल पैदा करने लगता है और जरूरत से कम जवाब देने लगता है, तो हालात ऐसे ही बिगड़ने लगते हैं। नेताओं को बलपूर्वक हाथरस जाने से रोका गया, लेकिन जब कांग्रेस के दिग्गज नेताओं को पीड़ित परिवार से मिलने दिया गया, तो क्या कोई भूचाल आ गया? हर राजनीतिक पार्टी और मीडिया को अपना दायरा पता है, सब सच जानना चाहते हैं। ज्यादा से ज्यादा सच और जवाब ही सबसे अच्छा समाधान है। हो सकता है, प्रशासन सही हो, पर आज सच जानने वालों पर पहरे बिठाने की कोशिश उसका सबसे बड़ा दोष है। न्याय कोई एकपक्षीय मामला नहीं होता, न्याय होता हुआ दिखना भी चाहिए। प्रशासन ही नहीं, पूरे समाज के लिए यह सोचने का समय है। बलात्कार जैसे अक्षम्य अपराध के विरुद्ध सामाजिक बाड़ेबंदियां पलक झपकते टूट जानी चाहिए। धार्मिक, सामाजिक, इंसानी या सांविधानिक, ऐसा कोई आधार नहीं है, जो हमें जाति के आधार पर पक्षपात के लिए प्रेरित करता हो। खेमेबाजी राजनीति के लिए मुफीद भले हो, लेकिन वह हमें सार्वभौमिक सुरक्षा का एहसास कतई नहीं करा सकती और सुरक्षा करना तो दूर की कौड़ी है।

चुनौतियां और प्राथमिकताएं

भारत डोगरा

दुनिया में सबसे बड़ी चुनौती आर्थिक और सामाजिक विषमता को कम करने की है। सामाजिक विषमता तो विशेषकर सामाजिक असंतोष के बढ़ने के लिए जिम्मेदार होती है। सामाजिक विषमता को न्यूनतम करने के लिए धर्म, जाति, रंग, नस्ल, लिंग आदि पर आधारित सभी तरह के भेदभावों को खत्म करना होगा। एक आशाजनक बदलाव यह आया है कि सामाजिक विषमता को खत्म करने के प्रति समाजों में अब चेतना बढ़ रही है। हाल के दौर में विश्व में दैनिक जीवन की कठिनाइयां ही नहीं बढ़ी हैं, अपितु अनेक देशों में व्यापक आर्थिक संकट ने भी दस्तक दे दी है। ज्यादातर देश मंदी की मार का सामना कर रहे हैं। इसके साथ ही बढ़ते सामाजिक तनाव ने भी नए संकट पैदा किए हैं।

यह स्थिति निश्चय ही चिंताजनक है। लेकिन कई बार यह भी देखा गया है कि ऐसी चिंताजनक स्थितियों में लोग जरूरी सुधारों, विकल्पों और बदलावों को अपनाने के लिए अधिक तैयार रहते हैं। इस दृष्टि से देखें तो विश्व के जागरूक लोगों को इस कठिन स्थिति में निराश नहीं होना चाहिए, बल्कि विश्व में सही प्राथमिकताओं को प्रतिष्ठित करने के लिए अपनी सक्रियता बढ़ानी चाहिए। एक बहुत बड़ी प्राथमिकता विश्व में विषमता कम करने और समता बढ़ाने की है। हाल के वर्षों में विश्व स्तर पर और विश्व के अनेक महत्त्वपूर्ण देशों के स्तर पर विषमता तेजी से बढ़ी है। यह बढ़ती विषमता ही निर्धनता दूर करने की राह में सबसे बड़ी बाधा बन रही है। इस बढ़ती विषमता के दौर में ही सामाजिक असंतोष भी बढ़ता है और हिंसा के हालात बनते हैं। विश्व स्तर पर हाल के समय में इतनी अधिक संपत्ति और आय सबसे बड़े अरबपतियों के हाथ में संचित हुई है कि चंद व्यक्तियों की बड़े बदलावों को प्रभावित और नियंत्रित करने की ताकत लगातार बढ़ती जा रही है। यह स्थिति लोकतंत्र के लिए भी खतरनाक है। अनेक देशों में लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं भी अरबपतियों की संपदा के अनुचित उपयोग के कारण प्रभावित हो रही हैं। दुनिया में सबसे बड़ी चुनौती आर्थिक और सामाजिक विषमता को कम करने की है। सामाजिक विषमता तो विशेषकर सामाजिक असंतोष के बढ़ने के लिए जिम्मेदार होती है। सामाजिक विषमता को न्यूनतम करने के लिए धर्म, जाति, रंग, नस्ल, लिंग आदि पर आधारित सभी तरह के भेदभावों को खत्म करना होगा। एक आशाजनक बदलाव यह आया है कि सामाजिक विषमता को खत्म करने के प्रति समाजों में अब चेतना बढ़ रही है। सदियों से जिन्होंने सामाजिक विषमता सही है, वे इसके विरोध के लिए अब सक्रिय हैं और उन्हें नए कानूनों और समाज के दूसरे तबकों से समर्थन मिल रहा है। दूसरी ओर इन समतावादी प्रक्रियाओं का विरोध भी हो रहा है। हालांकि यह क्रिया की प्रतिक्रिया का ही रूप माना जा सकता है। सामाजिक विषमता को कम करने के प्रयास सशक्त हों और अमन-शांति की राह पर सफलता प्राप्त करें, इसके लिए अभी बहुत सुलझे हुए प्रयासों की दरकार है। विषमता कम करने के साथ-साथ दूसरी बड़ी जरूरत अमन-शांति स्थापित करने की है। आज दुनिया ऐसे दौर में है जब अति विध्वंसकारी परमाणु और अन्य हथियारों की क्षमता धरती पर संपूर्ण प्राणी जगत को नष्ट करने की है। इसके अतिरिक्त अंतरिक्ष-युद्ध का खतरा भी बढ़ता जा रहा है। युद्ध के तरीकों का रोबोट-सैन्यीकरण हो रहा है। दूसरी ओर, दैनिक जीवन के स्तर पर घरेलू हिंसा, गली-मोहल्ले की हिंसा, अपराध व यौन-अपराधों की हिंसा की चपेट में प्रतिदिन लाखों लोग आ रहे हैं।

इसलिए अमन-शांति के लिए एक ओर तो वैश्विक स्तर पर सभी विध्वंसक हथियारों में भारी कमी लाने की जरूरत है, और यह कार्य बिना सभी देशों के सामूहिक प्रयासों के बिना संभव नहीं है। दूसरी ओर दैनिक जीवन में हिंसा को कम करने का बहुत व्यापक स्तर का प्रयास होना जरूरी है। अमन-शांति के प्रयासों के लिए यह भी स्पष्ट है कि हम न्याय और समता आधारित शांति चाहते हैं, क्योंकि नैतिक आधार न्याय व समता आधारित अमन-शांति के प्रयासों को ही प्राप्त होता है और इस तरह की अमन-शांति ही टिकाऊ हो सकती है। अमन-शांति की प्राथमिकता का मिलन विषमता कम करने की प्राथमिकता से होता है।

तीसरी बड़ी प्राथमिकता है पर्यावरण रक्षा की है। जलवायु बदलाव के संकट के बारे में अनेक प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों की राय बन चुकी हैं कि यह जीवन पनपाने की स्थितियों को अस्त-व्यस्त कर देने वाला संकट है। फिर बात केवल जलवायु बदलाव की ही नहीं है, जबकि वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक चर्चा जलवायु बदलाव को लेकर ही हो रही है है। लेकिन अनेक अन्य पर्यावरणीय समस्याएं भी इतनी गंभीर हो चुकी है कि वे धरती की जीवनदायिनी क्षमताओं को खतरे में डाल रही हैं। इसलिए समय रहते इन समस्याओं का समाधान निकालने को बड़ी प्राथमिकता बनाना पड़ेगा। इस बारे में व्यापक वैज्ञानिक मान्यता के बावजूद इन समस्याओं के नियंत्रण के लिए उठाए जा रहे कदम अभी वास्तविक जरूरत से बहुत कम स्तर पर हैं और कुछ समस्याएं तो पहले के मुकाबले अब अधिक तेजी से बढ़ रही हैं। यह एक बड़ी चुनौती है।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि पर्यावरण रक्षा केवल बड़े समझौतों के स्तर पर संभव नहीं हो सकती है, बल्कि इसे दैनिक जीवन से जोड़ना जरूरी है। पर्यावरण की रक्षा के लिए जमीनी स्तर पर सबसे जरूरी यह है कि सादगी के आदर्श को अपनाया जाए और भोग-विलास, उपभोक्तावाद की सोच से बचा जाए। इस तरह पर्यावरण रक्षा की प्राथमिकता का मिलन भी विषमता कम करने की प्राथमिकता से है। अनिवार्य तौर पर अमन-शांति व विभिन्न राष्ट्रों के सहयोग के माहौल में ही पर्यावरण रक्षा के बड़े समझौते हो सकते हैं और निभ सकते हैं। युद्धों व युद्धों की तैयारियों से भयंकर प्रदूषण होता है और इस प्रदूषण को न्यूनतम करना भी जरूरी है। लोकतंत्र की रक्षा और लोकतंत्र को सही व व्यापक अर्थों में अपनाने को भी एक बड़ी प्राथमिकता बनाना आवश्यक है। उपर्युक्त प्राथमिकताओं को अपनाने और उनकी राह पर चलने के लिए लोकतंत्र की मजबूती और उसे सही भावना से अपनाना बहुत जरूरी है। बाहरी तौर पर विश्व में लोकतांत्रिक व्यवस्था का खूब प्रसार हुआ है। वैसे जो लोकतांत्रिक नहीं हैं, वे भी अपने को लोकतांत्रिक कहलाना ही पसंद करते हैं। लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि लोकतंत्र की मूल भावनाओं का तेजी से ह्रास हो रहा है।

यह एक महत्त्वपूर्ण वजह है कि अन्य गंभीर समस्याओं को सुलझाने में कठिनाइयां पेश आ रही हैं। जनसाधारण तक सभी महत्त्वपूर्ण समस्याओं, उनके संभावित समाधानों और विकल्पों की जरूरी जानकारी ठीक से पहुंचे, व्यापक विमर्श हो और ऐसी प्रक्रियाएं हों जिनके माध्यम से उचित समाधानों को कार्यान्वित किया जाए, यह सब लोकतंत्र के मजबूत होने के साथ संभव होना चाहिए था। लेकिन विश्व के अधिकांश समाज और देश इस दिशा से भटक गए हैं। यही वजह है कि सबसे गंभीर समस्याओं के समाधान से हम दूर हैं। यहां तक कि धरती पर जीवन के अस्तित्व को खतरे में डालने वाली समस्याओं की भी घोर अनदेखी हो रही है।

पांचवी प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि दैनिक व सार्वजनिक जीवन में नैतिकता प्रतिष्ठित करने के लिए निरंतरता से प्रयास होने जरूरी हैं। यह नैतिकता किसी एक धर्म या संप्रदाय की नैतिकता नहीं है, अपितु यहां अर्थ नैतिकता के ऐसे शाश्वत मूल्यों से है, जिन्हें विश्व स्तर पर मान्यता मिल सकती है। किसी के साथ रंग, जाति, धर्म, नस्ल आदि के आधार पर भेदभाव न करना, किसी को जान-बूझ कर क्षति न पहुंचाना, दूसरों के हक न छीनना, समता व सादगी के आदर्शों को स्वीकार करना और प्रकृति व पर्यावरण के लिए रक्षा की प्रवृत्ति अपनाना। लेकिन आज हम देख रहे हैं कि विकसित देशों में ये मूल्य गायब होते जा रहे हैं। अमेरिका की ताजा नस्लवादी हिंसा ने दुनिया को एक बार फिर सकते में डाल दिया है। परिवार, शिक्षा संस्थानों, विभिन्न अन्य सामुदायिक स्तरों पर निरंतरता से इन जीवन-मूल्यों को प्रतिष्ठित करने का प्रयास यदि विश्व स्तर पर हो तो अल्प समय में ही कल्याणकारी परिणाम देखने को मिल सकते हैं।

फ़ेमिनिज़म

महिला सशक्तिकरण ये शब्द ही अपने आप मं खोखला नहीं लगता?

स्त्रीयों को निर्बल लाचार अबला समझने वाले एक बार नौ महीने 5 किलोग्राम वज़न पेढू पर बाँधकर रखें और

नाक के छेद में से नारियल निकालने वाला, जाँघो को चीर देने वाला बच्चे को जन्म देते वक्त होने वाले दर्द से गुज़र कर देखे। फिर कहें की महिला अशक्त है या सशक्त। परिवार का वहन सामाजिक ज़िम्मेदारीयां और अब तो हर दूसरी स्त्री नौकरी करती है जो घर और ऑफिस हर मोर्चे पर बखूबी अपनी काबिलियत से अपना वजूद प्रस्थापित करती है। फ़ेमिनिज़म एक एसी विचारधारा है जो स्त्री और पुरुष के समान अधिकारों का का समर्थन करती है। एसी विचारधारा ही क्यूँ ? पुरुष को प्रधान और स्त्री को दूसरे पायदान पर अबला, बेचारी सी खड़ी कर दी जाती है। जब की हर क्षेत्र में आज की स्त्री अग्रसर भूमिका निभाती है। कई घरों में लड़के को उच्चतम शिक्षा, पालन-पोषण के साथ हर तरह की आज़ादी दी जाती है। उसके मुकाबले पहले तो लड़की के जन्म पर अफ़सोस जताया जाता है। जन्मी भी तो कई पाबंदियां लादी जाती है। लड़की के जन्म पर पेड़े के बदले जलेबियाँ क्यूँ बाँटी जाती है पेड़े क्यूँ नहीं। लड़कीयों की भावनाओं का कोई मोल नहीं। लड़कीयों को भी मानसिक और भावनात्मक आज़ादी का पूरा हक है। पुरानी और खोखली रवायतों को तोड़ कर अब लड़कीयों को पूरा मान सम्मान और अधिकार देना चाहिए। अबला, लाचार और अशक्त जैसे शब्दों को शब्द कोश से हटा देने चाहिए ये शब्द ही हर इंसान के मानस में स्त्रीयां कमज़ोर होने के भाव पैदा करते है। अब स्त्री विमर्श में लिखना बंद करके स्त्री की शक्ति और क्षमता के किस्से लिखें जाए। बलात्कार होते क्यूँ है ? चार लोग साथ मिलकर टूट पड़ेंगे तो एक लड़की क्या कर सकती है। चार लड़कीयों के हवाले एक दरिंदे को कर दो नामों निशान ना मिटा डाले तो कहना। जो बच्चे को जन्म दे सकती है वो काली चंडी बनकर राक्षसों का वध भी कर सकती है। आज जरूरत है बेटों को संस्कारों के दायरे में रखने की। वरना दुर्योधन और रावणों की वाली मानसिक नपुंसकता से पूरे समाज को दीमक की तरह खा जाएँगे। स्त्रीयों की सहनशीलता को मत ललकारो वो दिन दूर नहीं जो अपने पर आई तो एसे दरिंदों का कोख में ही वध कर देगी जो लड़कीयों को भोगने की चीज़ समझते है। स्त्री को अबला नहीं दुर्गा समझो। अब महिला सशक्तिकरण नहीं लड़कों के ससंस्करण करने का समय आ गया है।

(भावना ठाकर, बेंगुलूरु)सभावु

दास्ताँ तेरे दर्द की

सुलग रहा है मेरे ज़र्रे- ज़र्रे में , ये वधु से नगर-वधु का सफ़र, दास्ताँ तेरे दर्द की अब मैं जन पाई हूँ ए तवायफ़ ।*

वेश्या, रखैल, तवायफ़ या दूसरी औरत कितने बदनाम नाम है ये ...कितनी घृणा की नज़र से देखा जाता है इन्हें , वेश्या भी इज़्ज़त की हकदार है ।लेकिन एक औरत ममता की मूरत , त्याग की छवि, साक्षात जिसे लक्ष्मी का रूप माना जाता है , वो वेश्या क्यों बनती है ? कौन बनाता है उसे वेश्या ? क्या कभी सोचा है किसी ने । वेश्या बनने के लिए एक औरत को तन से पहले अपना ज़मीर बेचना पड़ता है , कभी कोई औरत पेट की भूख से तड़फ़ कर, कभी कोई परिवार को पालने के लिए तो कभी किसी को कोई रईसजादा ही बना देता है वेश्या । ज़मीर तो हम सब भी बेचते है अपना , कोई नेतागिरी में कोई व्यापार मे छलकपट कर के, और कोई इसकी टोपी उसके सर और उसकी टोपी इसके सर पहना कर दिया अपना मतलब निकालते है । हम अगर दौलत कमाने के लिए एक अपना ज़मीर बेचते है तो वो ज़ायज़ होता है, एक औरत को गर मजबूरी मे भी अपना ज़मीर बेचती है तो वो नाज़ायज़ क्यों ये प्रथा तो सदियों से चली आ रही है रजवाड़ों के समय मे नर्तकियाँ हुआ करती थी , रूपजीवा, गणिका, वारवधु, लोकांगना, आदी नामों से रामायण, महाभारत और आदि काल मे भी इनका उल्लेख मिलता है ।

कोटिल्य अर्थशास्त्र में इन्हें राजतन्त्र का अँग माना है । कथाओं मे रूपसी कामनियाँ सदैव भारत में सम्मानित रहीं हैं। अर्थात समाज का कोई भी इतिहास इनसे विहिन नहीं था।युग के प्रारम्भ में धर्म से सम्बन्ध थी और चौंसठ कलाओं से निपुण मानी जाती थी । कालान्तर में सँगीतकला एँव नृत्यकला , एँव सीमित यौन सम्बन्धों द्वारा जिविकोपार्जन मे अस्मर्थ होकर इन्हे अश्लीलता के स्तर पर उतरना पड़ा । भारत मे दैह व्यापार अनैतिक कानून के तहत आते है लेकिन बग़ैर कानूनी मानयता के पूरे देश मे यह व्यापार धड़ल्ले से चल रहा है । क्या कभी किसी ने सोचा है ये व्यापार चलाने वाले भी तो नामी -गिरामी ऊँचे खानदान वाले ही होते है , जो अपने फ़ायदे के लिऐ औरत का सौदा करते हैं । क्या जो पुरूष इनसे सम्बन्ध बनाते है वो सभी अविवाहित होते है , गर नही तो विवाहित उन पुरूषो को भी कोई ऐसा ही नाम क्यों नही दिया जाता । अगर कोई स्त्री अपने भूखे बच्चे केलिए रोटी कमाने के लिए, अपने परिवार का पेट पालने के लिए मजबूर होकर ये व्यवसाय अपनाती है तो हमे उसकी कद्र करनी चाहिए ,उसके लिए ये एक काम है । हर काम दूनिया मे एक लड़ाई है , यहाँ हर इन्सान अपने लिए लड़ता है , इस बेरहम, दयाहीन, अनुमान लगाने वाली इस दूनिया से हर इक दिन लड़ कर बिताना होता है , ऊँच-नीच , झाड़ु वाला हो या कचरे वाला कोई भी कैसा भी , कोई छोटा है या कोई बड़ा , इन्सान सभी सम्मान के अधिकारी हैं ।

मौलिक एवं स्वरचित

प्रेम बजाज, जगाधरी (यमुनानगर)

महिलाओं और बेटियों पर बढता अत्याचार

आखिर बेटियों और महिलाओं पर हमारे देश में इतने अत्याचार क्यूँ होते है।जब सोचती हूं तो आंखे नम हो जाती हैं।दिन प्रतिदिन की खबरें सुनने और और देखने को मिल ही रही है। बहुत से लोग तो बेटियों को जन्म लेने से पहले ही कोख में मार देते है, कुछ बेटियों को दहेज के पीछे मार दिया जाता है और भी ना जाने कितने अत्याचार होते है बेटियों महिलाओं पर जैसे -घरेलु हिंसा छेड़छाड़, बलात्कार, रेप आखिर कब तक बेटियों और महिलाओं ये सब सहन करती रहोगी जरा सोचो सहन करते करते न जाने कितनी महिलाओं और बेटियों की जान चली गयी। अब हर बेटी और महिला को अपने लिए खुद ही लड़ना होगा बोलना होगा, हम बोलेंगे मुँह खोलेंगे, अपनी चुप्पी तोड़ेंगे। किसी भी महिला या बेटी के साथ कुछ भी गलत हो रहा है तो आवाज़ उठाना ही होगी। बहुत हो रहे हैं अत्याचार बेटियाँ और महिलाऐ आज कहीं भी सुरक्षित नहीं है हर जगह बेटियाँ और महिलाओं पर ही अत्याचार होते हैं चाहे वह घर हो या बाहर जैसे - स्कूल, कॉलेज, सड़क, मंदिर मस्जिद, बाजार, ऑटो, बस, कार, ट्रेन ऐसी ही अनेको जगह है जहां बेटियों और महिलाओं पर घिनौने अत्याचार होते हैं। कुछ व्यक्ति देखकर भी चुप रहते हैं मन मे सोचते है हम क्यूँ किसी के बीच में पड़े हमें क्या करना है कौन सी हमारे घर की बेटी या महिला है।ऐसी सोच रखने वाली आपकी सोच शर्मसार, निंदनीय है । बेटी या महिला अपनी हो या किसी और की अगर उसके साथ कुछ गलत हो रहा है तो बोलना चाहिए,मुंह खोलना चाहिए हर व्यक्ति को मदद करनी चाहिए अपना समझकर अगर ऐसा हर व्यक्ति करे तो सच में बहुत ही सुधार हो जाएगा हमारे देश में अब हर बेटी और महिला को अपनी रक्षा खुद भी करनी होगी। बहुत सहन किया अत्याचार अब हम सहन नहीं करेंगे। जितना हम कर सकते हैं उतना तो करें...सुरक्षा के उपाय - कोई भी बेटी या महिला घर से बाहर जा रही है तो लाल मिर्च पाउडर परफ्यूम, इस्प्रे या कोई नुकीली चीज जैसे - पेन, कैची, सेफ्टी पिन अपने पर्स, किट या पॉकेट मे रखकर जरूर चले अगर आपके साथ कोई बतमीजी कर रहा है या आपको शक हो रहा है,अपने बचाव करने के लिए इस्तेमाल करें। वैसे हर व्यक्ति को आजादी है बोलने की तो फिर हम क्यूँ चुप रहें। बोलेंगे मुँह खोलेंगे, अपनी चुप्पी तोड़ेंगे बहुत हुये अत्याचार अब सहन नहीं करेंगे।।

पल्लवी गुप्ता

गोहद जिला भिंड मप्र

आर्थिक विकास को गति देने का आधार भी बनेगी दुनियां की सबसे लंबी अटल सुरंग

यह सुरंग कितनी उपयोगी है इसका पता इससे चलता है कि यह करीब छह माह तक बर्फ की कैद में रहने वाले लाहौल-स्पीति के लोगों को एक बड़ी राहत तो देगी ही चीन सीमा तक सैन्य वाहनों की पहुंच को भी आसान बनाएगी। सबसे ऊंची सतह पर बनी दुनिया की सबसे लंबी अटल सुरंग केवल उत्कृष्ट इंजीनियरिंग का नमूना ही नहीं, देश के दूर-दराज और साथ ही दुर्गम इलाकों में विकास के प्रति प्रतिबद्धता का भी पर्याय है। यह सुरंग केवल हिमाचल प्रदेश के लिए एक तोहफा ही नहीं, बल्कि देश की सामरिक जरूरतों की पूर्ति भी है। इस सुरंग के निर्माण से मनाली की लेह से दूरी भी कम हो जाएगी और जो सफर घंटों में पूरा होता था, वह अब मिनटों में पूरा होगा। यह सुरंग केवल स्थानीय लोगों के जनजीवन को आसान बनाने का काम ही नहीं करेगी, बल्कि आर्थिक विकास को गति देने का आधार भी बनेगी। यह सुरंग कितनी उपयोगी है, इसका पता इससे चलता है कि यह करीब छह माह तक बर्फ की कैद में रहने वाले लाहौल-स्पीति के लोगों को एक बड़ी राहत तो देगी ही, चीन सीमा तक सैन्य वाहनों की पहुंच को भी आसान बनाएगी। चीन की बदनीयती को देखते हुए सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले इस तरह के निर्माण कार्य बहुत पहले होने चाहिए थे, लेकिन किन्हीं कारणों से उन्हें प्राथमिकता नहीं दी गई। कम से कम अब तो यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि ऐसे निर्माण कार्य बिना किसी विलंब के हों। चीन से लगती सीमा पर चौकसी के साथ वहां सेना की पहुंच आसान करने वाले निर्माण कार्यों को गति दिया जाना तो आज की सबसे बड़ी जरूरत है। यह अच्छा है कि हिमाचल प्रदेश, लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश के साथ उत्तराखंड के सीमांत इलाकों में सामरिक महत्व की परियोजनाओं को प्राथमिकता दी जा रही है, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि ऐसी कुछ परियोजनाएं देरी का शिकार भी बनती रही हैं। मनाली-लेह राजमार्ग पर सुरंग के निर्माण की जरूरत एक लंबे अर्से से जताई जा रही थी।

फ़ेमिनिज़म

महिला सशक्तिकरण ये शब्द ही अपने आप में खोखला नहीं लगता?

स्त्रीयों को निर्बल लाचार अबला समझने वाले एक बार नौ महीने 5 किलोग्राम वज़न पेढू पर बाँधकर रखें और नाक के छेद में से नारियल निकालने वाला, जाँघो को चीर देने वाला बच्चे को जन्म देते वक्त होने वाले दर्द से गुज़र कर देखे। फिर कहें की महिला अशक्त है या सशक्त। परिवार का वहन सामाजिक ज़िम्मेदारीयां और अब तो हर दूसरी स्त्री नौकरी करती है जो घर और ऑफिस हर मोर्चे पर बखूबी अपनी काबिलियत से अपना वजूद प्रस्थापित करती है। फ़ेमिनिज़म एक एसी विचारधारा है जो स्त्री और पुरुष के समान अधिकारों का का समर्थन करती है। एसी विचारधारा ही क्यूँ ? पुरुष को प्रधान और स्त्री को दूसरे पायदान पर अबला, बेचारी सी खड़ी कर दी जाती है। जब की हर क्षेत्र में आज की स्त्री अग्रसर भूमिका निभाती है। कई घरों में लड़के को उच्चतम शिक्षा, पालन-पोषण के साथ हर तरह की आज़ादी दी जाती है। उसके मुकाबले पहले तो लड़की के जन्म पर अफ़सोस जताया जाता है। जन्मी भी तो कई पाबंदियां लादी जाती है। लड़की के जन्म पर पेड़े के बदले जलेबियाँ क्यूँ बाँटी जाती है पेड़े क्यूँ नहीं। लड़कीयों की भावनाओं का कोई मोल नहीं। लड़कीयों को भी मानसिक और भावनात्मक आज़ादी का पूरा हक है। पुरानी और खोखली रवायतों को तोड़ कर अब लड़कीयों को पूरा मान सम्मान और अधिकार देना चाहिए। अबला, लाचार और अशक्त जैसे शब्दों को शब्द कोश से हटा देने चाहिए ये शब्द ही हर इंसान के मानस में स्त्रीयां कमज़ोर होने के भाव पैदा करते है। अब स्त्री विमर्श में लिखना बंद करके स्त्री की शक्ति और क्षमता के किस्से लिखें जाए। बलात्कार होते क्यूँ है ? चार लोग साथ मिलकर टूट पड़ेंगे तो एक लड़की क्या कर सकती है। चार लड़कीयों के हवाले एक दरिंदे को कर दो नामों निशान ना मिटा डाले तो कहना। जो बच्चे को जन्म दे सकती है वो काली चंडी बनकर राक्षसों का वध भी कर सकती है। आज जरूरत है बेटों को संस्कारों के दायरे में रखने की। वरना दुर्योधन और रावणों की वाली मानसिक नपुंसकता से पूरे समाज को दीमक की तरह खा जाएँगे। स्त्रीयों की सहनशीलता को मत ललकारो वो दिन दूर नहीं जो अपने पर आई तो एसे दरिंदों का कोख में ही वध कर देगी जो लड़कीयों को भोगने की चीज़ समझते है। स्त्री को अबला नहीं दुर्गा समझो। अब महिला सशक्तिकरण नहीं लड़कों के ससंस्करण करने का समय आ गया है।

(भावना ठाकर, बेंगुलूरु)सभावु

चौराहे पर खड़ा आदमी

बुद्धिजीवियों को
भटकाते,
नेता मूर्ख यहां मिल
जाते,
चौराहे पर खड़ा
आदमी, पशोपेश में
रहता है!

अर्थ नीति हो धराशाई जब,
अर्थ व्यवस्था बिगड़ रही तब,
कहलाता जो बड़ा आदमी, पशोपेश में रहता है
अनुभवहीन बना हो मुखिया,
जाए कहां प्रजा है दुखिया,
वृद्ध, खाट पर पड़ा आदमी, पशोपेश में रहता है
है जो विशाल राष्ट्र यह अपना,
देखा करे, विकास का सपना,
दिल को करके कड़ा आदमी, पशोपेश में
रहता है!
जीना है तो बढ़ो दोस्तों,
अब भ्रम में मत पड़ो दोस्तों,
जो जिद पर हो अड़ा आदमी, पशोपेश में
रहता है!

पद्म मुख पंडा,

ग्राम महा पल्ली पोस्ट लो इंग

कविता

क्या,, बेटी का मरना बहुत जरूरी है?

रक्तबीज से बढ़े दरिंदे
जनता बनी शिखंडी सी
देश मुझे अब तो लगता है
अपराधों की मंडी सी!!
जब-जब लाज लुटी बेटी की
कानून बना गांधारी सा
छतरी दे दी आश्वासन की
हाथ हिला लाचारी का
सारे नियम ताक पर रखते
जब इनका हित होता है
रात में भी दर खुलें कोर्ट के
गजब तमाशा होता है!!!
जब अपराध सामने है तो
क्या कानून जरूरी है
बेटी को क्या न्याय की खातिर
मरना बहुत जरूरी है?
सीता, सलमा या हो मरियम
बेटी तो बेटी होती है
नश्तर जब चलते हैं इन पर
पीड़ा सबको ही होती!!
बेटी बचाओ के सब नारे
आज खोखले दिखते हैं
कानून, सुरक्षा के प्यादे
दो-दो पैसे में बिकते हैं!!!

रश्मि मिश्रा रश्मि, भोपाल

तापसी पन्नू ने कुछ न्यूज चैनल्स का मजाक उड़ाते हुए लिखा

हमारी जगह लोगों का मनोरंजन करने के लिए धन्यवाद

उम्मीद है अब अपना फोकस असली खबरों पर रखेंगे

एक्ट्रेस तापसी पन्नू ने हाल ही में एक ट्वीट करते हुए समाचारों के नाम पर कुछ भी चलाने वाले कुछ न्यूज चैनल्स का मजाक उड़ाया। एक्ट्रेस ने अनलॉक के पांचवें चरण में सिनेमाघरों को खुलने की अनुमति मिलने के बारे में बताते हुए कहा कि अब कुछ न्यूज चैनल्स से उम्मीद की जा सकती है कि वे अपना ध्यान लोगों का मनोरंजन करने की बजाय असली खबरें दिखाने पर लगाएंगे।

तापसी ने अपने ट्वीट में लिखा, 'अब जबकि सिनेमाघरों को 50 प्रतिशत क्षमता के साथ खुलने की अनुमति मिल गई है, तो कुछ 'समाचार' चैनल्स से ये उम्मीद रहेगी कि वे भी अपना 50 प्रतिशत ज्यादा ध्यान 'वास्तविक' समाचारों पर लगाएंगे। धन्यवाद दोस्तों, आपने लॉकडाउन के दौरान हमारी जगह मनोरंजन के किले को लंबे समय तक संभाले रखा। अब यहां से हम संभाल लेंगे। इस ट्वीट के थोड़ी देर बाद ही तापसी ने एक अन्य ट्वीट करते हुए एक खास वीडियो शेयर किया, जिसमें लंबे समय से सुशांत की मौत को हत्या साबित करने में लगे एक न्यूज चैनल का मजाक उड़ाया गया है। इसे शेयर करते हुए तापसी ने लिखा, 'बस पूछता है, जवाब नहीं सुनता'। केंद्र सरकार ने हाल ही में अनलॉक-5 के नए दिशा-निर्देश जारी करते हुए पिछले छह महीने से बंद सिनेमा हॉल, मल्टीप्लेक्स और थिएटर खोलने की अनुमति दे दी। जिसके तहत 15 अक्टूबर से सिनेमाहॉल दर्शकों की कुल संख्या क्षमता से 50 प्रतिशत कम रखते हुए खुल सकेंगे। साथ ही इस बारे में अगले कुछ दिनों में सरकार स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग सिस्टम (एसओपी) भी जारी करेगी।

जनता की डिमांड पर किया डांस

इससे पहले तापसी ने अपनी इंस्टाग्राम वॉल पर एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें वे पंजाबी गाने में तो 'मुखड़ा देख के मर गया नीं' पर स्टाइल मारती नजर आ रही हैं। इसे शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 'ये जनता की मांग पर.... और वो जनता मूलरूप से पन्नू परिवार की ही है। आप जिस गाने को सुनते हुए बड़े होते हैं, वो हमेशा विशेष रहता है।'

अनुराग कश्यप का किया था समर्थन

हाल ही में जब तापसी के दोस्त और फिल्ममेकर अनुराग कश्यप पर एक एक्ट्रेस ने यौन शोषण के आरोप लगाए थे तो तापसी ने इस मामले में उनका समर्थन करते हुए लिखा था, 'आपके लिए मेरे दोस्त, जो कि सबसे बड़े नारीवादी हैं, जिन्हें मैं जानती हूं। जल्द ही आपको सेट्स पर कला का एक और टुकड़ा बनाते हुए देखेंगे, जो बताएगा कि आपके द्वारा बनाई गई दुनिया में महिलाएं कितनी शक्तिशाली और महत्वपूर्ण होती हैं।'

भोजपुरी बाला मोनालिसा ने पहला नशा पहला खुमार पर मचाया धमाल, प्रशंसक दीवाने

भोजपुरी फिल्मों और गानों में अपनी कातिल अदाओं से प्रशंसकों पर जादू बिखेरने वाली अभिनेत्री मोनालिसा सोशल मीडिया पर भी अपने प्रशंसकों का मनोरंजन करने का कोई अवसर नहीं छोड़ती हैं। मोनालिसा आए दिन अपने शानदार वीडियोज शेयर करती रहती हैं, जिन्हें देखकर उनके प्रशंसक को उनके धमाकेदार भोजपुरी गानों की याद आ जाती है। इन दिनों ऐसा ही एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब धमाल मचा रहा है, जिसमें भोजपुरी फिल्मों की 'क्वीन' बॉलीवुड गाने पर कहर बरपाती नजर आ रही हैं। वीडियो में मोनालिसा आमिर खान की फिल्म 'जो जीता वही सिकंदर' के गाने 'पहला नशा पहला खुमार' पर शानदार अदाएं दिखाती नजर आ रही हैं। वीडियो में मोनालिसा ग्रीन साड़ी में नजर आ रही हैं। मोनालिसा को गाने में यूं अदाएं बिखेरते देख अभिनेत्री के प्रशंसक उनकी तारीफ किए बिना नहीं रह पा रहे हैं। मोनालिसा ने इस वीडियो को अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर किया है। वीडियो में मोनालिसा ग्रीन कलर की साड़ी में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। वीडियो में उनका लुक और अंदाज उनके प्रशंसक को बेहद पसंद आ रहा है। इससे पहले भी मोनालिसा का एक डांस वीडियो वायरल हुआ था। जिसमें वह बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान की फिल्म 'वीरे दी वैडिंग' के गाने 'तारीफां' पर जलवे बिखेरती दिखाई दी थीं। एक्ट्रेस की तस्वीरें और सोशल मीडिया पर उनकी एक्टिविटी कितनी पसंद की जाती है, इसका अंदाजा उनकी बढ़ती फैन फॉलोइंग से लगाया जा सकता है।

मंडी बोर्ड के अमले एवं वेतन पेंशन की व्यवस्था एवं अन्य मांगों के चलते मंडी कर्मचारी हड़ताल पर

मोहन मांझी

गोहद- संयुक्त संघर्ष मोर्चा द्वारा दिनांक 3 सितंबर से 6 सितंबर तक किए गए सत्याग्रह आंदोलन के संबंध में दिनांक 6 सितंबर को मुख्यमंत्री द्वारा आमंत्रित की गई मोर्चा के पदाधिकारियों की बैठक में मंडी बोर्ड के अमले को वेतन पेंशन व्यवस्था के अन्य मांगों की सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया गया था साथ ही 15 दिवस में कार्रवाई प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए थे लेकिन मुख्यमंत्री जी के उपरोक्त आश्वासन के आधार पर अधिकारियों द्वारा द्वारा हड़ताल को 15 दिवस के लिए स्थगित किया गया था लेकिन मुख्यमंत्री के आश्वासन के आधार पर ही संचालक मंडल की बैठक 10 सितंबर को रखी गई थी जिसमें प्रस्ताव क्रमांक 3 मैं मंडी बोर्ड के संचालनालय में दर्ज करने बाबत प्रस्ताव रखा गया था मुख्यमंत्री के अनुसार कार्रवाई नहीं की गई उपरोक्त प्रस्ताव में वेतन पेंशन की सुनिश्चितता हेतु शासन को भी प्रस्ताव भेजा जा सकता था किंतु ऐसा नहीं किया गया मंडी समितियों की विगत माह की आवक 70त्न तक की कमी पर लक्षित हो रही थी

जिस कारण वर्तमान में 70 से 80 मंडियों वेतन की व्यवस्था नहीं थी इसके उपरांत भी बोर्ड प्रशासन शासन द्वारा मंडी बोर्ड में प्रतिनियुक्ति पर अधिकारी कर्मचारियों की उनके मूल विभाग में भेजने की बजाय अन्य विभागों में उच्च न्यायालय के आदेश निर्देशों की मंडी बोर्ड नियम निर्देशों का उल्लंघन करते हुए अपात्र लोगों को मंडी समितियों के उच्च पद पर प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ किया जा रहा था जबकि मंडियों की आवक बढ़ोतरी के प्रयास किए जाने पर उपरोक्त प्रतिनियुक्ती पर पदस्थ अमले द्वारा अपने निजी स्वार्थ बस कार्य किए जाने से मंडियों की आय पर काफी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था साथ ही उनके वेतन बच्चे का भार भी अतिरिक्त रूप से मंडियों पर पड़ रहा था तब इनकी सेवाएं तत्काल मंडी बोर्ड से मूल विभाग में जाने का आश्वासन दिए जाने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं की गई जिससे कर्मचारियों में काफी असंतोष पाया गया एवं आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ा इस संबंध में मोर्चे द्वारा पत्र क्रमांक 67 दिनांक 21 सितंबर 2020 को लिखा गया था इसी प्रकार संयुक्त संघर्ष मोर्चा द्वारा कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं के संबंध में मंडी प्रशासन द्वारा पत्राचार के माध्यम से इसी परिपेक्ष में 3 सितंबर से सत्याग्रह आंदोलन चलाया गया जिसमें मुख्यमंत्री द्वारा आश्वासित किया गया था कि आपकी कर्मचारी हितैसी मांगों को 15 दिवस के भीतर पूर्ण कर दिया जाएगा लेकिन कर्मचारियों की मांगे जैसे नियमितीकरण परिवीक्षा अवधि समाप्ति, अनुकंपा नियुक्ति पद नाम परिवर्तन लेखपालों का वेतनमान पेंशन पुनरीक्षितकरण इत्यादि को किसी प्रकार का कोई निराकरण नहीं किया गया इसलिए कर्मचारी अपने आप को ठगा सा महसूस कर रहा था जिसके चलते दिनांक 25 सितंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर वापस चले गए जिनमें प्रदेश की समस्त मंडिया बंद रखते हुए किसी भी प्रकार का क्रय विक्रय एवं कार्यालय बंद रखा गया तथा कर्मचारी अधिकारी द्वारा अपने कार्यालय के गेट पर धरना प्रदर्शन मांगों की पूर्ति के लिए निरंतर जारी है।

रणवीर को बनना चाहिए सेक्स उपचार डॉक्टरः भूमि पेडनेकर

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर हाल ही में नेहा धूपिया के चैट शो 'नो फिल्टर नेहा' में पहुंचीं, जहां उन्होंने अलग-अलग मुद्दों पर खुलकर बातें कीं। भूमि ने इस शो में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में काम करने के अपने अनुभव से लेकर अपनी ऐक्टिंग स्किल्स तक के बारे में ढेर सारी बातें कीं। इस दौरान उन्होंने रणवीर सिंह के बारे में भी बातें की और कहा कि उन्हें सेक्स उपचार डॉक्टर क्यों बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनके पास बेहतरीन तरकीबें हैं। उन्होंने इस इंटरव्यू में 'बैंड बाजा बारात' में रणवीर सिंह के ऑडिशन के बारे में भी बातें की। बता दें कि आयुष्मान खुराना के साथ फिल्म 'दम लगा के हइशा' से पहले भूमि ने बतौर कास्टिंग डायरेक्टर काम किया है। उन्होंने कहा कि 'मैं ऑडिशन के दौरान शामिल थी और यह यूट्यूब पर मौजूद है।' हालांकि उन्होंने फौन रणवीर की एनर्जी की तारीफों में पुल बांधे और कहा कि उनकी एनर्जी जबरदस्त है।

कांग्रेस ने मध्यप्रदेश की जनता को लिखित में धोखा दिया: पाराशर

मोहन मांझी

गोहद प्रदेश भाजपा मीडिया प्रभारी लोकेंद्र पाराशर गोहद के पत्रकारों से भाजपा कार्यालय शीतला गार्डन मो रोड पर मुखातिब हुए उनका आगमन मध्यप्रदेश के 28 विधानसभा क्षेत्र में होने वाले उपचुनाव को लेकर था उन्होंने पत्रकारों से गोहद विधानसभा उपचुनाव में विभिन्न मुद्दों पर जानकारी ली। गोहद भाजपा कार्यालय पर आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए प्रदेश मीडिया प्रभारी लोकेंद्र पाराशर ने कहा कि प्रदेश में उपचुनाव की जनक कांग्रेस पार्टी है कांग्रेस पार्टी ने सन 2018 के बिधानसभा मे लिखित वचनपत्र दिया था लेकिन अपने वादे से मुकर गई जिसके फलस्वरूप प्रदेश की जनता के हितों की रक्षा के लिए सिंधिया के साथ रणवीर जाटव सहित 22 विधायको ने इस्तीफा दिया और भाजपा की सदस्यता ग्रहण की उन्होंने विधायकों के बिकने के कांग्रेस के आरोप जबाब देते हुए कहा कांग्रेस का इतिहास झूठ व सौदे से भरा पड़ा है सौदा उनकी संस्कृति है उन्होंने कहा कि भाजपा का हर कार्यकर्ता चुनाव अभियान में जुटा हुआ है भाजपा का प्रत्याशी कमल का फूल है भाजपा 28 विधानसभा से बिजय होगी ओर प्रदेश की शिवराज सरकार को स्थिरता प्रदान करेगी पत्रकार वार्ता में जिला मीडिया प्रभारी अजय शर्मा उपस्थित थे।

पुलिस ने संभाली चुनाव की कमान, कांग्रेस नेता ने लगाए बदसलूकी के आरोप

गोहद उपचुनाव की तिथि घोषित होते ही चुनाव आयोग द्वारा आचार सहिता लागू कर दी है जिसके चलते पुलिस मुस्तेदी से कार्य कर रही है। क्योंकि पुलिस के ऊपर निष्पक्ष चुनाव कराने की जिम्मेदारी है। उपचुनाव के मद्देनजर पुलिस ने वाहनों की चेंकिग की प्रक्रिया चालू की है जिसके चलते रविवार के दिन गोहद थाने में पदस्थ एसआई नागेंश शर्मा व कांग्रेस नेता टोनी मुदगल में नम्बर प्लेट को लेकर बहस हुई जिस ओर कांग्रेस नेता ने उपनिरीक्षक पर बदसलूकी का आरोप लगाकर एसडीएम व एसडीओपी को ज्ञापन सोपा है। कांग्रेस नेता टोनी मुदगल के अनुसार में रात इटायली गेट के पास कांग्रेस कार्यालय से आया था व कार्यकर्ताओं से चर्चा कर रहा था तभी उप निरीक्षक नागेश शर्मा मेरे पास आये मुझसे गाली गलौच व बदसलूकी करने लगे व गाड़ी पर लगे स्टीकर को हटाने के लिए कहने लगे तभी में वहाँ से चल आया। उधर उपनिरीक्षक नागेश शर्मा से इस सम्बंध में चर्चा की तो उन्होंने बताया कि रविवार रात्रि 9 बजे इटायली गेट होते हुए नगर भृमण पर निकला था तभी उन्हें बिना नम्बर प्लेट की स्कूटी दिखी स्कूटी पर आगे की साइड नम्बर प्लेट नही थी जिस पर मेंने स्कूटी चालक को रोककर स्कूटी पर आगे की साइड नम्बर प्लेट लगवाने के लिए कहा इस बात को लेकर स्कूटी चालक भड़क गया व बदतमीजी करने लगा व धमकी देने लगा।

इनका कहना है-कांग्रेस पार्टी के कुछलोगो ने शिकायती आवेदन दिया है मेने उसे जांच कट प्रतिवेदन के लिए एसडीओपी महोदय के पास भेज दिया है।

सुभम शर्मा एसडीएम गोहद

कोरोना काल के दौरान सेवाओं के लिए होली क्रॉस चर्च द्वारा किया गया डॉ हेमंत जैन का विशेष सम्मान

डॉ. हेमंत जैन ने कोरोना से बचाई कई लोगों की जिंदगियां: संतोष उपाध्याय

आज दिनांक 03 अक्टूबर को शाम 06 बजे , होली क्रॉस चर्च के फादर जॉन जेवियर एवं ईसाई समाज के अनुयायिओं द्वारा गांधी जयंती एवं विश्व प्रार्थना दिवस के अवसर पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया , मुख्य अतिथि शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ हेमंत कुमार जैन एवं विशिष्ट अतिथी के रूप में गंगाराम जाटव, कुलवंत सिंह , पंडित संतोष उपाध्याय , राशिद खान उपस्थित रहे , अध्यक्षता फादर जॉन जेवियर ने की । सभी ने ,विश्व को कोरोना से बचाने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की । तत्पश्चात प्रतिनिधियों ने अपने 2 विचार सबके सामने रखे , इस कार्यक्रम में हिन्दू समाज की ओर से पं श्री सन्तोष उपाध्याय ने कहा कि सभी धर्म मानव को मानव सेवा के लिए प्रेरित करते हैं, किसी भी धर्म ग्रंथ ने कभी भी किसी को धार्मिक आधार पर भेदभाव करना नही सिखाया है, कोरोना ने हम सब के बीच भले ही दूरियां बनाई हैं परंतु यह दूरियां मानवता को बचाने के लिए अच्छी है , उन्होंने कहा कि डॉ हेमंत जैन ने दतिया जिले में समाज सेवा की मिसाल पेश की है , और कोरोना काल के दौरान उन्होंने सैकड़ों लोगों की

जिंदगी बचाई हैं , आसपास के जिलों में जहां चिकित्सक दूर से मरीजों को परामर्श दे रहे थे डॉ हेमंत जैन ने बड़ी आत्मीयता से मरीजों को देखा और हिम्मत भी दी । मुस्लिम समाज से राशिद खान साहब ने कहा कि उनके मन में सभी धर्मों के लोगो और उनके धार्मिक स्थानों के लिए समान विचार हैं और सभी को ऐसा ही बर्ताव सभी के साथ करना चाहिए । जैन समाज से डॉ. हेमन्त जैन ने कहा कि अगर हम मैं की भावना ना रखते हुए हम की भावना रखें तो समाज एक जुट होगा और नफरत फैलाने वाले सफल नहीं हो पाएंगे ।सिख समाज से श्री मनिंदर सिंह जी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि गुरु ग्रंथ साहिब में लिखा है कि सब एक ही रब के बंदे हैं और सभी को उसी रब में मिल जाना है ।बौद्ध समाज से गंगाराम जाटव द्वारा कहा गया कि हम सब को भगवान बौद्ध के विचार अपने जीवन में अपनाने चाहिए। कार्यक्रम के मध्य में दतिया होली क्रोस चर्च के प्रीस्ट फादर जॉन जेवियर एवं ईसाई समुदाय के लोगों द्वारा शांति गीत गाये गए। कार्यक्रम के अन्त में फादर ने विभिन्न समुदाय से आये हुये अतिथियों को फूल माला एवं शाल पहना कर एवं एक पौधा और श्रीफल भेंट कर सम्मान किया ।चर्च की ओर से महिला वर्ग में अजंना तिग्गा, पुरुष वर्ग में जेन्डल मिन्ज ,युवा वर्ग में जोन्सी मिन्ज का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन कमल माला ने किया । उपरोक्त कार्यक्रम में सिस्टर ऐना, सिस्टर ऐमरेन्सिया, जैरी, वी.सी एक्का, रोसलिन, सुरेश, एवं अन्य कई ईसाई समुदाय के परिवार के सदस्य उपस्थित रहे ।

रिश्ते हमारे जीवन के सबसे अहम एवं भावनात्मक हिस्सा होते है 9 दीप्ति उपाध्याय

मुरैना। जिला मुरैना के तीन दिवसीय आनंदक परिचय कार्यक्रम के समापन दिवस के दौरान मास्टर ट्रेनर दीप्ति उपाध्याय द्वारा 04 अक्टूबर को ÷हमारे रिश्ते÷ सत्र में समाज व परिवार में रिश्तों की अहमियत पर आनन्दको से विचार साझा करते हुये बताया कि जब कोई भी रिश्ता हमसे दूर होता है , तो हम उसके लिए बेचैन हो जाते हैं ।अगर हमारे सभी रिश्ते अच्छे और स्वस्थ रहते हैं तो हम स्वयं में एक सकारात्मक ऊर्जा के साथ प्रसन्नता का अनुभव करते हैं । रिश्ते हमारे जीवन के सबसेअहम एवं भावनात्मक हिस्सा होते है ,यह बात कही । धृति तोमर एवं सुजाता तोमर ने रिश्तों पर अपने अनुभव साझा करते हुऐ बताया कि कैसे वह अल्पविराम के जरिये अपने बिगड़े रिश्तों को मधुर बनाने में सफल रहीं । आनंदक मणीन्द्र कौशिक , श्याम सिंह सिकरवार और बिन्दु सोलंकी द्वारा रिश्तों के जुड़ने और टूटने के कारणों पर अपने विचार व्यक्त किये । दीपक भोला ने भी रिश्तों पर कहा कि करीब रहो इतना ,कि रिश्तो में प्यार रहे । दूर भी रहो इतना ,कि आने का इंतजार रहे । रखो उम्मीद इतनी , रिश्तो के दरमियां कि टूट जाए उम्मीद , मगर रिश्ते बरकरार रहे । तृतीय दिवस में सत्र की शुरुआत बिन्दु सोलंकी द्वारा प्रस्तुत मधुर प्रार्थना से हुई। आनन्दम सहयोगी सुजाता तोमर ने आत्मपोषण के प्रश्नों पर प्रतिभागी रिया तोमर , जितेंद्र शर्मा , मणीन्द्र कौशिक , अधिवक्ता रीता पाठक, रीना जादौन आदि से शेयरिंग ली । कार्यक्रम संचालन मे दीपक भोला ने साथ दिया। जिला मुरैना के नोडल अधिकारी राम कुमार तोमर जिला कोषालय अधिकारी ने मुरैना जिले का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और आनंद विभाग की गतिविधियों को अन्य ब्लॉक जौरा कैलारस ,सबलगढ़ सहित सातो ब्लॉक में विस्तारित करने हेतु अपने विचार व्यक्त किये । ग्वालियर -चम्बल संभाग की समन्वित कार्य योजना ई. ए के शर्मा द्वारा प्रस्तुत की गई । आनन्दम सहयोगी विजय कुमार उपमन्यु द्वारा आनंदक प्रतिभागियों की सक्रिय सहभागिता और सहयोग प्राप्ति के सन्दर्भ मे रीता पाठक ,अरविन्द मावई , बीरेन्द्र धाकड़ आदि अन्य आनन्दको से परस्पर विचार साझा करते हुए कार्य योजना हेतु सुझाव संकलित किये गये । बालकृष्ण शर्मा ने अल्पविराम एवं आनन्द कार्यक्रमों की भावी कार्य योजना प्रस्तुत की । मास्टर ट्रेनर डॉ. सुधीर आचार्य द्वारा समेकन किया गया । अन्त में कृति तोमर ने प्रेरणा गीत गाया और विजय उपमन्यु द्वारा इक दिन बिक जाएगा माटी के मोल समापन गीत गाया । मनोज शर्मा ने सभी के प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष सहयोग एवं सहभागिता हेतु आभार प्रदर्शन किया गया । इस आयोजन के द्वितीय दिवस का आगाज मुस्कान तोमर द्वारा प्रस्तुत मन का दीप जलाओ प्रार्थना से हुआ।तत्पश्चात् आत्मपोषण के लिए दिए गए प्रश्नों पर कृति तोमर एवं धृति तोमर ने प्रतिभागियों से उनके विचारों पर शेयरिंग ली, जिसमें बीरेन्द्र शर्मा, बी .एस. तोमर, मणीन्द्र कौशिक ,नीतू भारद्वाज, प्रशांत भदोरिया ,कृष्णवीर तोमर ने अपने चिन्तन को अभिव्यक्त किया । कार्यक्रम संचालन विश्वनाथ एवं बिन्दु ने किया ।

न्यूज ब्रीफ

दादी से मिलने 2800 किलोमीटर पैदल चला 10 साल का बच्चा

रोम। एक तरफ दुनिया कोरोना संक्रमण के चलते घरों में कैद थी तो दूसरी तरफ एक बच्चा अपनी दादी से मिलने के लिए इतना बेताब था कि उसने रेल या हवाई यात्रा शुरू होने का इंतजार भी नहीं किया और इटली से लंदन पैदल चल दिया। सोशल मीडिया पर इस बच्चे की कहानी काफी वायरल हो रही है।

जून में शुरू किया सफर–दस वर्षीय रोमियो कॉक्स ने 20 जून को पिता फिल के साथ पालेर्मो (इटली) से लंदन के बीच का 2800 किलोमीटर लंबा सफर शुरू किया था। इस दिलचस्प यात्रा के दौरान दोनों इटली, स्विट्जरलैंड, फ्रांस और ब्रिटेन से होते हुए 21 सितंबर को लंदन पहुंचे। फिलहाल दोनों आइसोलेशन में हैं। पृथक अवधि खत्म होने के बाद ही वे रोमियो की दादी रोजमैरी से मिल सकेंगे।

सोशल मीडिया पर साझा की यात्रा--इस रोमांचक यात्रा के कुछ लम्हों को रोमियो ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किया। रोमियो के अनुसार पिछले तीन महीने में उसने जितनी भी मेहनत की है, वह सफल हो जाएगी जब वो अपनी दादी को गले से लगा लेगा। यात्रा के दौरान उसे कई बार जंगली गधों और अन्य जानवरों का भी सामना करना पड़ा।

दादी से मिले हो गया था साल–रोमियो ने बताया कि इस सफर में दोनों कई बार रास्ता भटके। मधुमक्खियों के छत्ते के नीचे सो गए, जो अच्छा विचार नहीं था। पैरों की हालत खराब हो गई थी। लेकिन हिम्मत नहीं हारी। जैसे-जैसे हम दादी के नजदीक पहुंच रहे थे, मेरा उन्हें देखने को लेकर उत्साह और भी बढ़ रहा था। मैं जल्द से जल्द उनके गले से लगना चाहता था। हम करीब सालभर बाद मिल रहे हैं। दादी लॉकडाउन के कारण अकेले रहने को मजबूर थीं।

प्रवासियों की मदद भी था मकसद–दादी से मिलने के अलावा रोमियो और उनके पिता का एक और मकसद था। वे अपनी इस यात्रा के जरिये प्रवासियों के लिए फंड जुटाना चाहते थे। दोनों ने इस यात्रा से न सिर्फ सबको हैरान किया, बल्कि रिफ्यूजी एजुकेशन एक्रॉस कंफ्लिक्ट्स की मदद करने के लिए 11.4 लाख रुपये की राशि भी जुटाई। रोमियो के पिता का कहना है कि बेटे के साथ बिताया गया यह सफर दोनों के लिए बेहद खास है। इसे वे जिंदगीभर नहीं भूल पाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, अमेरिका, यूरोप की तरह देश के नेशनल हाईवे के किनारे बनेंगी सुरंगें

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, अमेरिका और यूरोप के विकसित देशों की तर्ज पर भारत में राष्ट्रीय राजमार्गों (नेशनल हाईवे) के किनारे एकीकृत जन उपयोगी सुरंगें बनाई जाएंगी। इसमें बिजली-टेलीफोन केबल से लेकर पेयजल, सीवर पाइप आदि को एक सुरंग के भीतर बिछाया जाएगा। इस तकनीक से आम जनता को बाधारहित आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। सेंसर के माध्यम से इनकी निगरानी व मरम्मत संभव होगी। खास बात यह है कि भविष्य में जन उपयोगी कार्यों में किसी प्रकार के बदलाव को आसानी से अंजाम दिया जा सकेगा। इससे सड़कों को बार-बार तोड़ने से जनता को होने वाली परेशानी का सिलसिला बंद होगा। राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे एकीकृत जन उपयोगी सुरंगें बनाने का प्रस्ताव प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से सितंबर के प्रथम सप्ताह में सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय को भेजा गया है। मंत्रालय ने एनएचएआई के चेयरमैन एसएस संधू को पिछले हफ्ते अवधारणा नोट भेज दिया है। इसमें उल्लेख है इकोनॉमिक जोन व राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे एकीकृत जन उपयोगी सुरंगें बिछाने के लिए कंसल्टेंट एजेंसी को नियुक्त कर अध्ययन कराया जाए। साथ में हिदायत दी है कि अध्ययन रिपोर्ट दो माह के भीतर मंत्रालय को मिल जानी चाहिए, ताकि उक्त तकनीक पर तेजी से काम किया जा सके।

कोरोना से देश में अब रोज सबसे ज्यादा मौतें

27 दिनों से भारत में संक्रमण से रोज औसतन 1 हजार से ज्यादा मौतें

- भारत में कोरोना का पहला मामला 30 जनवरी को केरल में सामने आया था और पहली मौत 12 मार्च को हुई थी
- रोज मरने वालों की रफ्तार यही रही तो भारत ब्राजील को 127 और अमेरिका को 346 दिनों में पीछे छोड़ देगा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत में कोरोना से होने वाली पिछली 30 हजार मौतों का ट्रेंड देखें तो, भारत में हर दिन हो रही मौतें ब्राजील और अमेरिका से 40% ज्यादा हैं। इस रफ्तार से अगर मौतें होती रहीं तो, भारत ब्राजील को 127 और अमेरिका को 346 दिनों में पीछे छोड़ देगा।

भारत में कोरोना का पहला मामला 30 जनवरी को आया था और पहली मौत 12 मार्च को हुई थी। मौतों का आंकड़ा 10 हजार पहुंचने में 96 दिन लगे। शुक्रवार को आंकड़ा 1 लाख पहुंच गया है। भारत में कोरोना से मौतों की रफ्तार अमेरिका और ब्राजील से कम थी, लेकिन समय के साथ ब्राजील और अमेरिका में जहां मौतें कम होती गईं, वहीं भारत में मौतें बढ़ती गईं।

भारत में कोरोना के चलते 204 दिन में एक लाख मौतें हुई हैं। शुरूआती 10 हजार मौतें होने में 95 दिन लगे थे। जबकि अगले 95 दिनों में 60 हजार से ज्यादा मौतें हुईं। पिछली 50 हजार यानी, आधी मौतें 50 दिनों से भी कम समय में हुई हैं। पिछली 30 हजार मौतों का औसत निकाला जाए तो, 1 हजार 111 मौतें हर दिन हो रही हैं। अमेरिका में 22 मई को ही कोरोना से होने वाली मौतों का आंकड़ा 1 लाख पार कर चुका था। 29 सितंबर तक अमेरिका में कोरोना से 2 लाख 10 हजार मौतें हो चुकी थीं।

लेकिन अमेरिका में पिछली 50 हजार मौतें होने में 56 दिन लगे हैं। यानी भारत से 8 दिन कम। अमेरिका में जुलाई और अगस्त के शुरूआती दो हफ्तों तक कोरोना से होने वाली मौतें पीक पर थीं। लेकिन अगस्त के आखिरी हफ्ते से अब तक पिछले दिनों की तुलना में अमेरिका में कम मौतें हो रही हैं। अमेरिका में आखिरी 30 हजार मौतों का औसत देखा जाए तो एक दिन में औसतन 789 मौतें हो रही हैं।

ब्राजील में कोरोना से होने वाली मौतें पिछले दिनों की तुलना में कम

ब्राजील में 8 अगस्त को ही कोरोना से होने वाली मौतों का आंकड़ा 1 लाख पार कर चुका था। ब्राजील में 29 सितंबर तक कोरोना से 1 लाख 40 मौतें हो चुकी थीं। ब्राजील में कोरोना से होने वाली मौतें पिछले दिनों की तुलना में कम हो रही हैं। ब्राजील में पिछली 50 हजार मौतें 58 दिन में हुई हैं। यानी भारत और अमेरिका की तुलना में ब्राजील में पिछली 50 हजार मौतें धीरे हुई हैं। ब्राजील में पिछली 30 हजार मौतों का औसत देखा जाए तो हर दिन औसतन 789 मौतें हो रही हैं।

भारत में 1 हजार 111 मौत हर दिन

भारत में हर दिन होने वाली मौतों का आंकड़ा अमेरिका और ब्राजील की तुलना में 40 प्रतिशत ज्यादा है। पिछले 30 हजार मौतों के ट्रेंड के आधार पर देखा जाए तो भारत में कोरोना से 1 हजार 111, ब्राजील और अमेरिका में 789 मौतें हर दिन हो रही हैं। इस रफ्तार से अगर मौतें होती रहीं तो, भारत अमेरिका को 346 दिनों में और ब्राजील को 127 दिनों में पीछे छोड़ देगा। इस औसत से 346 दिनों में भारत में कोरोना से होने वाली कुल मौतों का आंकड़ा 4 लाख 84 हजार और अमेरिका में 4 लाख 82 हजार होगा। अगर ब्राजील के औसत से तुलना करें तो 127 दिनों बाद भारत में कोरोना के 2 लाख 41 हजार और ब्राजील में 2 लाख 40 हजार मौतें हो जाएंगी।

अमेरिका में दीर्घकालिक बेरोजगारी का सामना कर रहे लोग

नई दिल्ली। अमेरिका में कोविड-19 महामारी से उद्योगों के प्रभावित होने के कारण लाखों लोग बेरोजगारी का दंश झेल रहे है। बेरोजगारी का जो दौर शुरू हुआ वह हफ्तों से लेकर महीनों तक खींच गया और अब भी यह साफ नहीं है कि रोजगार मिलना फिर से कब शुरू होगा। ऐसे ही संकट का सामना कर रहे लोगों में से एक मेगदालेना वालिऐंटे फ्लोरिडा में रहती हैं और कंसर्ट के प्रचार-प्रसार के क्षेत्र से जुड़ी हैं। उन्होंने सोचा था कि इस वसंत उन्हें खूब काम मिलेगा लेकिन आज के हालात में वह यह सोचने को मजबूर हैं कि तीन दशक की मेहनत से बनाया उनका करियर क्या अब समाप्त हो गया है। मार्च तक उनके पास अनेक टूर एवं कार्यक्रमों की जिम्मेदारी थी लेकिन कार्यक्रम रद्द हो गए और परिस्थितियां बदल गईं। अब वालिऐंटे बेरोजगारी भत्ते के भरोसे हैं। मनोरंजन के क्षेत्र से लेकर होटल, रेस्तरां, उच्च शिक्षा एवं विज्ञापन समेत कई अन्य क्षेत्रों में भी बड़ी संख्या में लोगों की नौकरियां गई हैं। अनेक लोग छह महीने या उससे भी अधिक समय से बेरोजगार हैं जो दीर्घावधि बेरोजगारी के दायरे में आता है और ऐसे में लोगों का कौशल कुंद पड़ जाता है तथा पेशेवर नेटवर्क भी प्रभावित होता है जिसके कारण लोगों के लिए नई नौकरी पाना कठिन हो जाता है। मार्च तथा अप्रैल में महामारी के कारण बड़ी संख्या में व्यवसाय भी बंद हुए थे।

अस्पताल से निकलकर समर्थकों से मिले ट्रंप, वीडियो पोस्ट कर दिया सप्राइज

नई दिल्ली। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प रविवार को अपने समर्थकों से मिलने के लिए अस्पताल से कार से निकले और इकट्ठा भीड़ा को हाथ हिलाकर धन्यवाद दिया। राष्ट्रपति के दौरे के कुछ ही समय बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट करने पर अपने समर्थकों को चौंका दिया जिसमें उन्होंने दोबारा मिलने का वादा किया। वीडियो में ट्रम्प ने कहा, यह एक बहुत ही दिलचस्प यात्रा है। मैंने कोविड के बारे में बहुत कुछ सीखा है। मैंने इसे वास्तव में स्कूल जाकर सीखा है। यह असली स्कूल है। यह किताबों को पढ़ने वाला स्कूल नहीं है और यह एक बहुत ही दिलचस्प बात है। पहले दिन में, ट्रम्प के डॉक्टर ने कहा कि उनके स्वास्थ में सुधार जारी है और कहा था कि उन्हें सोमवार को छुट्टी दी जा सकती है। ट्रंप के मेडिकल टीम के सदस्य ब्रियान गारिबाल्डी ने आज ही कहा था, वह फिलहाल ठीक हैं। हमारी योजना उन्हें खाना खिलाने की तथा उन्हें बिस्तर से उठाने की है। अगर राष्ट्रपति की सेहत में लगातार सुधार होता है तो हम उन्हें सोमवार को छुट्टी देकर व्हाइट हाउस भेज सकते हैं जहां वह आगे अपना इलाज जारी रखेंगे। ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया कोरोना से संक्रमित हो गए थे। राष्ट्रपति ट्रंप को शुक्रवार को वाल्टर रीड अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें एंटीबॉडी दवाईयां दी जा रही हैं। डॉक्टर ने बताया कि ट्रंप को ऑक्सीजन भी दी गयी है। राष्ट्रपति ट्रंप ने शनिवार को ट्विटर पर वीडियो जारी कर कहा था कि वह अच्छा महसूस कर रहे हैं लेकिन आने वाले कुछ दिन उनके लिए असली टेस्ट होंगे।

एक नजर इधर भी

नई दिल्ली में प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान दूतावास के बाहर पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को समर्थन देने के खिलाफ प्रदर्शन किया।

कर्नाटक: कलाबुरगी के इस वृद्धाश्रम से नहीं आया कोविड-19 का एक भी मामला

नई दिल्ली। कर्नाटक के कलाबुरगी में महादेवी ताई महिला विद्या वर्धा संघ वृद्धाश्रम में कोविड-19 का एक भी मामला दर्ज नहीं किया गया है। एएनआई से बात करते हुए, नीलांबिका वृद्धाश्रम के अधीक्षक ने कहा कि वृद्धाश्रम का प्रशासन अपने निवासियों की देखभाल कर रहा है। हम पिछले 25 वर्षों से इस वृद्धाश्रम को चला रहे हैं। 30 लोग हैं और उनमें से सभी की उम्र 60 वर्ष से अधिक है। हमने उन्हें मास्क और गाइडलाइंस दिए हैं। हम बाहरी लोगों से अनुमति नहीं दे रहे हैं। हम देखभाल कर रहे हैं। उनके लिए हमेशा उनके लिए उपलब्ध हैं। रविवार के आंकड़ों की बात करें तो भारत की कोरोना वायरस के कारण पिछले 24 घंटों में 1,069 मौतों के साथ वायरस के मरने वालों की संख्या ने 1 लाख का आंकड़ा पार कर लिया है। संक्रमितों की संख्या 64,73,545 तक पहुंच गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने जानकारी दी है कि 79,476 नए मामलों के साथ कुल 9,44,996 सक्रिय मामले हैं जबकि 54,27,707 लोग ठीक हो चुके हैं और 1,00,842 लोगों की मौत हुई है। हालांकि, कोविड-19 के मामलों में पहले की तुलना में थोड़ी गिरावट देखने को मिल रही है।

दिल्ली, अजमेर, कोटा, रींगस-सीकर के लिए नवंबर के अंतिम सप्ताह में शुरू होंगी

दिवाली पर मिल सकती है सौगात: जयपुर जंक्शन से पहली बार इलेक्ट्रिक इंजन से दौड़ेंगी ट्रेनें

- जयपुर मंडल में विद्युतीकरण का कार्य अंतिम चरण में, 20 मिनट तक कम होगा यात्रा का समय
- कनकपुरा से मदार, गांधीनगर से बांदीकुई, बांदीकुई से भरतपुर समेत कई ट्रैक का काम पूरा हुआ

जयपुर ■ एजेंसी

लंबे इंतजार के बाद अब जयपुर जंक्शन पर भी दिल्ली-मुंबई की तर्ज पर बिजली से संचालित होने वाली ट्रेनें दौड़ती नजर आएंगी। यह सौगात दिवाली तक आमजन के लिए शुरू हो सकती है। वर्तमान में जयपुर मंडल में विद्युतीकरण का काम अंतिम चरण में चल रहा है। नवंबर के अंतिम सप्ताह में पूरा हो जाएगा।

रेलवे अफसरों का दावा है कि इसके शुरू होने से बाद यात्रा का समय 20 मिनट कम हो जाएगा।

केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन (कोर) के चीफ प्रोजेक्ट डायरेक्टर पीआर मीना ने बताया कि अब तक जयपुर प्रोजेक्ट में करीब 1814 किलोमीटर रेलवे लाइन का विद्युतीकरण कर लिया है। इसके अंतर्गत कनकपुरा से मदार, गांधीनगर से बांदीकुई, बांदीकुई से भरतपुर समेत कई ट्रैक का काम पूरा हो गया है। वहीं बस्सी से जयपुर यार्ड और कनकपुरा के बीच बीस प्रतिशत काम अंतिम दौर में चल रहा है। यह काम अगले महीने पूरा हो जाएगा। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक जयपुर जंक्शन पर बीते साल यार्ड के री-मॉडलिंग के कारण विद्युतीकरण का काम अटका था फिर लॉकडाउन हो गया जिससे देरी हो गई।

कनकपुरा से मदार (अजमेर), बांदीकुई से बस्सी पर सीआरएस निरीक्षण भी हो चुका है। यहां काम पूरा होने के बाद महज सीआरएस निरीक्षण ही बाकी है जो नवंबर के पहले सप्ताह तक होने के संकेत है। पेसे में दिवाली तक जयपुर जंक्शन से दिल्ली, अजमेर, कोटा, रींगस-सीकर के लिए इलेक्ट्रिक इंजन से ट्रेनें संचालित होंगी।

त्योहारी मौसम से पहले रेलवे ने कई मार्गों पर बढ़ाए ट्रेनों के फेरे

नई दिल्ली। अक्टूबर का महीना त्योहारों की आहट का होता है और ऐसे में रोजगार के लिए दूसरे स्थानों पर रहने वालों को अपने घर जाकर परिजनों के संग त्योहार मनाने की चाहत रहती है। त्योहारी सीजन को देखते हुए भारतीय रेलवे ने कुछ स्पेशलों ट्रेनों के फेरे (आने-जाने) को बढ़ा दिए हैं। रेलवे ने यात्रियों की बढ़ती संख्या और आगे आने वाले बड़े त्योहारों को ध्यान में रखते हुए ये फैसला किया है। रेलवे के इस ऐलान से झारखंड, बिहार और बंगाल में रहने वाले लोगों को लाभ मिलेगा। भारतीय रेलवे ने पूर्वा एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन के फेरे बढ़ाए हैं। इसकी जानकारी देते हुए ईस्टर्न रेलवे ने ट्रेनों की लिस्ट भी जारी की है। जिसमें ट्रेनों के रूट, समय सारिणी की जानकारी दी गई है।

खिड़की के पास लगाएं ऑफिस टेबल, 'वर्क फ्रॉम होम' होगा आसान

वाशिंगटन। 'वर्क फ्रॉम होम' ने घर और दफ्तर के बीच की दीवार को धुंधला कर दिया है। कभी कुकर की सीटी तो कभी टीवी का शोरगुल, कभी फल-सब्जी वाले की आवाज तो कभी बच्चों की उछल-कूद, घर में बैठकर ऑफिस का काम निपटाना कतई आसान नहीं। ऐसे में मशहूर अमेरिकी आर्किटेक्ट फर्म 'लॉरेल एंड वोल्फ' के विशेषज्ञों ने कुछ ऐसे उपाय सुझाए हैं, जो 'वर्क फ्रॉम होम' में होने वाली मुश्किलों को दूर करने के साथ ही उत्पादकता बढ़ाने में भी कारगर साबित हो सकते हैं।

घर का पसंदीदा कोना चुनें–घर में ऑफिस का सेटअप स्थापित करते समय यह मत भूलिए कि आपको वहां कम से कम आठ घंटे तो गुजारने ही हैं। ऑफिस टेबल को घर के किसी खाली कोने के बजाय खिड़की के पास लगाने की कोशिश करें, ताकि हर 15 से 20 मिनट पर स्क्रीन से ब्रेक लेकर हरियाली का दीदार कर सकें। अगर ऑफिस टेबल को खिड़की के पास स्थापित करने का विकल्प नहीं मौजूद है तो सामने की दीवार पर रंग-बिरंगी पेंटिंग लगाएं, जिससे न सिर्फ आपको 'फील गुड' हो, बल्कि ताजगी का एहसास भी बना रहे।

रोशनी का खास ख्याल रखें–'वर्क फ्रॉम होम' में घंटों कंप्यूटर या लैपटॉप की स्क्रीन से चिपके रहने से आंखों की रोशनी प्रभावित होना लाजिमी है। ऐसे में घर में पर्याप्त मात्रा में धूप न आती हो तो उसकी भरपाई कृत्रिम लाइट से करें। कमरे की छत पर बल्ब लगाने के साथ ही डेस्क पर लैंप की व्यवस्था करें, ताकि स्क्रीन पर नजर टिकाए रहने के दौरान आंखों पर ज्यादा जोर न पड़े। ऑफिस सेटअप में एलईडी या व्हाइट लाइट का ही इस्तेमाल सुनिश्चित करें, क्योंकि ये आंखों को सुकून पहुंचाती हैं।

नीली, पीली दीवारें फायदेमंद–लॉरेल एंड वोल्फ' के मुताबिक पीला-नारंगी रंग जहां 'फील गुड' हार्मोन का स्त्राव बढ़ाता है, वहीं नीला-हरा रंग स्ट्रेस हार्मोन 'कॉर्टिसोल' के उत्पादन में कमी लाता है। इसलिए ऑफिस सेटअप में दीवारों को इन रंगों में रंगवाना खासा फायदेमंद साबित हो सकता है। यही नहीं, ऑफिस जैसी ऊर्जा महसूस करने के लिए सामने की दीवार पर एक व्हाइट बोर्ड भी जरूर लगाएं। उस पर रोजाना के लिए निर्धारित काम के साथ ही प्रमुख फोन नंबर और मन में आने वाले विचार लिखते रहें।

फर्नीचर आरामदायक होना जरूरी--अगर आप सोचते हैं कि 'वर्क फ्रॉम होम' बस चंद दिनों की बात है। ऐसे में टेबल या कुर्सी पर पैसे खर्च करने की क्या जरूरत है तो आप गलत हैं। जरूरत से ज्यादा ऊंची या नीची टेबल-कुर्सी पर बैठकर काम करने से आपको न सिर्फ पीठ, कमर, कंधे और गर्दन में दर्द की शिकायत सता सकती है, बल्कि चक्कर व सर्वाइकल स्पॉन्डलाइटिस की समस्या भी पनप सकती है। 'वर्क फ्रॉम होम' में बिस्तर पर लेटकर या बैठकर काम करने से भी बचें। इससे रीढ़ की हड्डी पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है।

डेस्क पर छोटे-छोटे पौधे लगाएं–पेड़-पौधे न सिर्फ आंखों को सुकून पहुंचाते हैं, बल्कि तनाव का एहसास घटाने और उत्पादकता बढ़ाने में भी खासे असरदार पाए गए हैं। इसलिए ऑफिस डेस्क के आसपास बोनसाई या कैक्टस का पौधा लगाएं, जिनका रखरखाव बेहद आसान है। टेबल और फर्श पर सफेद या क्रीम चादर व रग बिछाएं, ताकि मन हमेशा शांत व तरोताजा बना रहे। पेन स्टैंड या फाइल बॉक्स खरीदने की जरूरत नहीं। घर में मौजूद पुराने डिब्बों या गत्ते को सजाकर पेन-फाइलें रखने के लिए इस्तेमाल करें। यह भी सुनिश्चित करें कि ऑफिस जोन टीवी से दूर हो।

आर्मीनिया संघर्ष वाले क्षेत्र के बाहर स्थित शहरों को निशाना बना रहा है: अजरबैजान

नई दिल्ली। अलगाववादी क्षेत्र नगोरनो-काराबाख को लेकर आर्मीनिया और अजरबैजान के बीच लड़ाई जारी है और अजरबैजान ने आर्मीनिया पर देश के उन शहरों को निशाना बनाने का आरोप लगाया है जो संघर्ष वाले क्षेत्र से काफी दूर हैं। अजरबैजान के राष्ट्रपति के सहयोगी हिकमत हाजियेव ने रविवार को कहा कि आर्मीनिया ने प्रक्षेपास्त्रों के हमले से बड़े शहरों गांजा और मिनगाचेविर को निशाना बनाया। गांजा देश का दूसरा सबसे बड़ा शहर हैं जहां लाखों लोग रहते हैं। यह शहर नगोरनो-काराबाख की राजधानी स्टेपनाकर्ट से करीब 100 किलोमीटर दूर स्थित है और मिनगाचेविर की दूरी भी संघर्षवाले इलाके से लगभग इतनी ही है। इस क्षेत्र में 27 सितंबर को दोनों देशों के बीच संघर्ष शुरू हुआ था जो अजरबैजान के तहत आता है लेकिन इस पर स्थानीय आर्मीनियाई बलों का नियंत्रण है। यह 1994 में खत्म हुए युद्ध के बाद इस इलाके में सबसे गंभीर संघर्ष है। हाजियेव ने रविवार को एक वीडियो ट्वीट किया जिसमें क्षतिग्रस्त इमारतें देखी जा सकती हैं। उन्होंने इसे गांजा में सघन आवासीय बस्तियों पर निशाना साधकर आर्मीनिया द्वारा किये गये बड़े मिसाइल हमलों का परिणाम बताया। हालांकि वीडियो की प्रमाणिकता की अभी पुष्टि नहीं हो सकी है। हाजियेव ने रविवार को ही किये गए एक अन्य ट्वीट में कहा कि आर्मीनियाई बलों ने मिनगाचेविर को भी प्रक्षेपास्त्रों से निशाना बनाया जहां कई जलाशय और प्रमुख विद्युत संयंत्र हैं। आर्मीनिया के रक्षा मंत्रालय ने इन दावों को सिरे से खारिज किया है। मंत्रालय की प्रवक्ता सूसन स्टेपेनियन ने फेसबुक पर लिखा कि आर्मीनिया की तरफ से अजरबैजान की दिशा में कोई गोलाबारी नहीं की गई और आरोपों को अजरबैजान की तरफ से हताशा में लगाया गया आक्षेप करार दिया। नागोरनो-काराबाख के नेता अराियक हारुतयुन्यान ने फेसबुक पर कहा कि उन्होंने गांजा में सैन्य ठिकानों को नेस्तानाबूद करने के लिए रॉकेट से हमलों का आदेश दिया था, लेकिन बाद में अपने बलों को गोलाबारी रोकने का आदेश दिया क्योंकि वह नहीं चाहते थे कि आम नागरिक हताहत हों।

मुंबई ने हैदराबाद को 34 रन से हराया, डिफेंडिंग चैम्पियन की सीजन में तीसरी जीत

आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद को 8वीं बार शिकस्त दी

शारजाह ■ एजेंसी

ाईपीएल के 13वें सीजन के 17वें मैच में मुंबई डियंस (एमआई) ने सनराइजर्स हैदराबाद एसआरएच) को 34 रन से हरा दिया। मुंबई ने ंस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 209 न का टारगेट दिया। जवाब में हैदराबाद 7 विकेट र 174 रन ही बना सकी। वॉर्नर ने सबसे ज्यादा 0 रन बनाए। मुंबई की सीजन में यह तीसरी और दराबाद पर ओवरऑल 8वीं जीत है। मुंबई के सप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट और जेम्स पैटिंसन ो 2-2 विकेट मिले। इस जीत से मुंबई इंडियंस पॉइंट के साथ पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच ई है। मुंबई ने 5 में से 3 मैच जीते हैं। 16वें ोवर की चौथी बॉल पर ईशान किशन ने वॉर्नर ा शानदार कैच पकड़ा। उस वक्त हैदराबाद को ीतने के लिए 26 गेंद पर 67 रन चाहिए थे। वॉर्नर भी शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे। तभी पैटिंसन की बॉल पर वॉर्नर अपना विकेट गंवा बैठे। यहीं से मैच मुंबई की पकड़ में आ गया।

डेविड वॉर्नर ने आईपीएल में अपनी रिकॉर्ड 45वीं फिफ्टी लगाई। वॉर्नर लीग में सबसे ज्यादा फिफ्टी लगाने वाले खिलाड़ी हैं। वॉर्नर के बाद सुरेश रैना और रोहित शर्मा के नाम लीग में 38-38 फिफ्टी हैं। वहीं, विराट कोहली और शिखर धवन ने अब तक 37 फिफ्टी लगाई हैं। वॉर्नर के अलावा मनीष पांडे ने 30 और जॉनी बेयरस्टो ने 25 रन बनाए। उन्हें शुरूआत तो मिली, लेकिन वे बड़ा स्कोर नहीं बना सके। वहीं, प्रियम गर्ग, अब्दुल समद और अभिषेक शर्मा जैसे युवा खिलाड़ी भी इस मैच में कुछ खास नहीं कर सके। इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई ने 5 विकेट पर 208 रन बनाए। शारजाह में लगातार चौथे मैच में 200 से ज्यादा रन बने। मुंबई के क्विंटन डिकॉक ने सबसे ज्यादा 67 रन बनाए। मुंबई ने आखिरी 5 ओवरों में 61 रन बनाए। डिकॉक के अलावा हार्दिक पंड्या ने 28, कीरोन पोलार्ड ने नाबाद 25 और कुणाल पंड्या ने नाबाद 20 रन बनाए। हैदराबाद के लिए संदीप शर्मा और सिद्धार्थ कौल को 2-2 विकेट मिला। वहीं, राशिद खान को 1 विकेट मिला।

क्विंटन डिकॉक और ईशान किशन के बीच तीसरे विकेट के लिए 78 रन की पार्टनरशिप हुई। डिकॉक ने 39 बॉल पर 67 रन की पारी खेली। अपनी पारी के दौरान उन्होंने 4 चौके और 4 छक्के लगाए। उन्हें राशिद खान ने आउट किया। इसके बाद किशन ने 23 बॉल पर 31 रन बनाए। उन्हें संदीप शर्मा ने आउट किया। मुंबई की टीम पहले 6 ओवर में सिर्फ 48 रन ही बना सकी। इस दौरान कप्तान रोहित शर्मा (6) और सूर्यकुमार यादव (18) आउट भी हुए। यह इस सीजन में शारजाह में खेली गई 7 पारियों में पावरप्ले के दौरान बनाया गया सबसे कम स्कोर है। यह पहली बार है, जब कोई टीम यहां पावरप्ले में 50 रन नहीं बना पाई है।

रोहित आईपीएल में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले दूसरे खिलाड़ी

रोहित आईपीएल में सबसे ज्यादा मैच खेलने के मामले में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। यह उनका 193वां मैच है। इससे पहले सुरेश रैना भी लीग में 193 मैच खेल चुके हैं। सबसे ज्यादा मैच खेलने का रिकॉर्ड एमएस धोनी (194) के नाम है। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान के तौर पर डेविड वॉर्नर का यह 50वां मैच रहा। वॉर्नर ने पिछले मैच में चोटिल हुए हैदराबाद के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की जगह संदीप शर्मा को टीम में शामिल किया। वहीं, खलील अहमद की जगह सिद्धार्थ कौल को प्लेइंग इलेवन में मौका मिला। मुंबई में कप्तान रोहित शर्मा सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। टीम उन्हें एक सीजन का 15 करोड़ रुपए देगी। वे इस मैच में कुछ खास नहीं कर सके और एक सिक्स लगाकर आउट हुए। वहीं, प्लेइंग इलेवन में सबसे सस्ते खिलाड़ी राहुल चाहर (1.90 करोड़) रहे। उन्होंने मैच में सिर्फ एक ओवर फेंका, जिसमें उन्होंने 16 रन दिए।

न्यूज. ब्रीफ

़ेंच ओपन: जोकोविच चौथे दौर में पहुंचे

रिस। सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने कोलंबिया के नियल इलाही गालान को हराकर लगातार 11वें वर्ष फ्रेंच ओपन निस के चौथे दौर में प्रवेश किया है। जोकोविच ने गालान को 6-6-3 6-2 से हराया। इसी के साथ ही जोकोविच ने स्पेन के फेल नडाल और स्विटजरलैंड के रोजर फेडरर के लगातार 1वें वर्ष चौथे दौर में पहुंचने के रिकॉर्ड की बराबरी की है। अब ोकोविच का सामना रूसी खिलाड़ी कारेन खाचानोव से होगा। ोकोविच का इस तरह 2020 में जीत का रिकॉर्ड 34-1 हो या है। वह यहां दूसरा फ्रेंच ओपन खिताब और 18वां खिताब ीतने का प्रयास कर रहे हैं। इसी के साथ ही जोकोविच ने इस नार्मेंट में सबसे ज्यादा जीतों के मामले में स्विट्जरलैंड के ग्गज रोजर फेडरर को भी पीछे छोड़ दिया है। अब इन दोनों से ागे केवल स्पेन के राफेल नडाल हैं। वहीं महिला एकल में नियल कोलिन्स ने साल 2016 की फ्रेंच ओपन चैम्पियन र्बाइन मुगुरुजा को 7-5 2-6 6-4 से हराया।

ाजनीति में उतर रहीं निशानेबाज श्रेयसी

टना। निशानेबाज श्रेयसी सिंह अब राजनीति में उतरने जा रही । श्रेयसी भाजपा की सदस्यता लेंगी। माना जा रहा है कि श्रेयसी ंह बांका के अमरपुर सीट या फिर जमुई विधानसभा सीट से धानसभा चुनाव लड़ सकती हैं। श्रेयसी ने राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय दानों में शूटिंग में भारत का प्रतिनिधित्व करती हैं। इन्होंने साल 014 में जहां भारत के लिए रजत पदक जीता था। वहीं ष्ट्रमण्डल खेल 2018 में स्वर्ण पदक जीता। श्रेयसी ने वर्ष 019 लोकसभा चुनाव में अपनी मां पुतुल कुमारी के लिए चुनाव चार भी किया था। श्रेयसी सिंह की मां पुतुल कुमारी बांका के र्व सांसद स्वर्गीय दिग्विजय सिंह की पत्नी हैं और दो बार सांसद ह चुकी हैं। इस बार पुतुल कुमारी लोकसभा चुनाव हार गई थी।

़र नहीं चले सुआरेज, एटलेटिको ाड्रिड ने खेला गोल रहित ड्रा

ड्रिड। एटलेटिको मैड्रिड की तरफ से पदार्पण मैच में शानदार दर्शन करने वाले लुई सुआरेज अपना जादुई प्रदर्शन जारी खने में नाकाम रहे और उनकी टीम को स्पेनिश फुटबॉल लीग ा लिगा में शनिवार को यहां विल्लारीयाल से गोलरहित ड्रा

खेलना पड़ा। एटलेटिको ने इस सत्र की शुरूआत ग्रेनाडा पर 6-1 की शानदार जीत से की थी, लेकिन अपने इस प्रदर्शन को वह आगे जारी नहीं रख पाया और उसे लगातार दूसरे मैच में गोलरहित ड्रा खेलकर अंक बांटने पड़े। एटलेटिको के ीन मैचों में अब पांच अंक हैं और वह 11वें स्थान पर है। इस बीच ियाल सोसिडाड ने गेटाफे को 3-0 से जबकि रीयाल बेटिस ने लेंसिया को 2-0 से हराया जबकि एल्चे और हुएस्का का मैच ोल रहित बराबरी पर छूटा। रीयाल बेटिस इस जीत से पांच मैचों नौ अंक लेकर शीर्ष पर पहुंच गया है। उसके बाद सोसिडाड ौर विल्लारीयाल (दोनों आठ अंक) का नंबर आता है।

़राब मौसम के कारण शुभंकर और अन्य ा स्कॉटिश ओपन में लचर प्रदर्शन

ार्थ बेरविक । भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा ने स्कॉटिश ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के बारिश से प्रभावित तीसरे दौर की नौतीपूर्ण परिस्थितियों में पांच ओवर 76 का स्कोर बनाया। ख़राब मौसम के बावजूद शुभंकर ने 12 होल तक तीन बर्डी और ीन बोगी की थी और वह इवन पार पर थे। इसके बाद हालांकि ौसम बिगड़ गया, जिसका प्रभाव उनके खेल पर भी पड़ा और गले चार होल में उन्होंने पांच बोगी कर दी। इनमें 13वें होल में बल बोगी भी शामिल है। शुभंकर एक समय शीर्ष दस में थे, ेकिन अंतिम क्षणों के खराब प्रदर्शन के कारण वह संयुक्त 47वें थान पर खिसक गये। राबर्ट रॉक ने एक आवेर 72 का कार्ड ेला और उन्होंने अंतिम दौर से पहले दो शॉट की बढ़त बना रखी । रॉक अभी नौ अंडर पर हैं तथा वह टॉमी फ्लीटवुड (69), यान पॉल्टर (73), मार्कस किनहल्ट (71) और वेड ओर्म्सबाइ 69) से दो शॉट आगे हैं।

आईपीएल 2020: अपना रैंक बचाने उतरेंगे आरसीबी और दिल्ली कैपिटल्स, होगा कड़ा मुकाबला

कोहली की रणनीति की होगी परीक्षा

दुबई ■ एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग में अभी तक प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाली 2 टीमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर और दिल्ली कैपिटल्स सोमवार को यहां जब आमने-सामने होंगी तो श्रेयस अय्यर की कुशल कप्तानी के सामने अनुभवी विराट कोहली की रणनीतिक चालों की भी परीक्षा होगी। आरसीबी और दिल्ली दोनों की टीमें अभी मजबूत नजर आ रही हैं और इन दोनों ने चार मैचों में तीन-तीन में जीत दर्ज की है। अब इन दोनों का लक्ष्य अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखना होगा। अय्यर ने जहां टीम के चारों मैचों में अच्छी फार्म दिखाई वहीं कोहली ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अर्धशतक जड़कर फार्म में वापसी की।

अय्यर ने शनिवार को फिर से अपना कौशल दिखाया और 38 गेंदों पर 88 रन बनाए। उनके अलावा पृथ्वी शॉ ने 66 रन की पारी खेली, जिससे दिल्ली ने कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) को 18 रन से हराया। कोहली ने आरसीबी की रॉयल्स के खिलाफ आठ विकेट की आसान जीत में 53 गेंदों पर नाबाद 72 रन बनाकर फार्म में वापसी की।

अब ये दोनों कप्तान सोमवार को आगे बढ़कर नेतृत्व करना चाहेंगे और एक-दूसरे को पीछे छोड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। ऐसे में इस मुकाबले के रोमांचक होने की संभावना है। दिल्ली के शीर्ष क्रम में शॉ अच्छी फार्म में हैं, लेकिन शिखर धवन की फार्म अय्यर के लिए चिंता का विषय होगी। दिल्ली के लिए अच्छी बात यह है कि ऋषभ पंत ने केकेआर के खिलाफ 17 गेंदों पर 38 रन बनाकर अपनी आक्रामकता की झलक दिखा दी है। यही नहीं मार्कस स्टोइनिस और शिमरोन हेटमायर जैसे आक्रामक बल्लेबाज भी उसकी टीम में हैं। कैगिसो

रबाडा ने दिल्ली की गेंदबाजी की कमान अच्छी तरह से संभाली है, हालांकि केकेआर के खिलाफ वह नहीं चल पाए थे। दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज एनरिच नोर्जे ने शुरूआती और डैथ ओवरों में दिल्ली की तरफ से शानदार भूमिका निभाई है। केकेआर के खिलाफ उन्होंने 19वें ओवर में कसी हुई गेंदबाजी की। ईशांत शर्मा की जगह चुने गए हर्षल पटेल ने भी चार ओवर में 34 रन देकर दो विकेट लिए लेकिन फिट होकर टीम में वापसी करने वाले रविचंद्रन अश्विन और स्टोइनिस प्रभाव नहीं छोड़ पाए। आरसीबी की तरफ से युवा देवदत्त पडिक्कल ने शीर्ष क्रम में अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने अब तक चार मैचों में तीन अर्धशतक की मदद से 174 रन बनाए हैं।

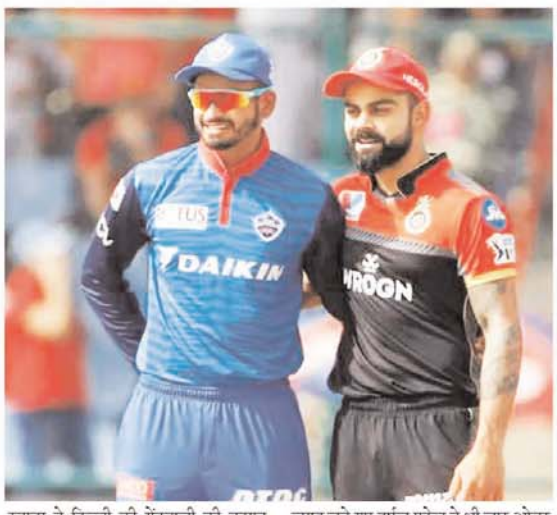

मैच भारतीय समयानुसार शाम सात बजकर 30 मिनट से शुरू होगा

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर : विराट कोहली (कप्तान), एबी डिविलियर्स, पार्थिव पटेल, आरोन फिंच, जोश फिलिप, क्रिस मॉरिस, मोइन अली, मोहम्मद सिराज, शाहबाज अहमद, देवदत्त पडिक्कल, युजवेंद्र चहल, नवदीप सैनी, डेल स्टेन, पवन नेगी, इसुरु उदाना, शिवम दुबे, उमेश यादव, गुरकीरत सिंह मान, वाशिंगटन सुंदर, पवन देशपांडे, एडम जंपा.

दिल्ली कैपिटल्स : श्रेयस अय्यर (कप्तान), रविचंद्रन अश्विन, शिखर धवन, पृथ्वी सॉव, शिमरोन हेटमेयर, कागिसो रबाडा, अजिंक्य रहाणे, अमित मिश्रा, ऋषभ पंत, इशांत शर्मा, अक्षर पटेल, संदीप लमिछाने, कीमो पॉल, डेनियल सैम्स, मोहित शर्मा, एनरिक नार्जे, एलेक्स कैरी, अवेश खान, तुषार देशपांडे, हर्षल पटेल, मार्कस स्टोइनिस, ललित यादव.

दोनों टीमें अपनी रैंक बचाने की करेंगी कोशिश

इंडियन प्रीमियर लीग में अभी तक प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाली दो टीमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर और दिल्ली कैपिटल्सजब आमने-सामने होंगी, तो श्रेयस अय्यर की कुशल कप्तानी के सामने अनुभवी विराट कोहली की रणनीतिक चालों की भी परीक्षा होगी. आरसीबी और दिल्ली दोनों की टीमें अभी मजबूत नजर आ रही हैं और इन दोनों ने चार मैचों में तीन-तीन में जीत दर्ज की है. अब इन दोनों का लक्ष्य अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखना होगा. अब ये दोनों कप्तान सोमवार को आगे बढ़कर नेतृत्व करना चाहेंगे और एक दूसरे को पीछे छोड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे. ऐसे में इस मुकाबले के रोमांचक होने की संभावना है. दिल्ली के शीर्ष क्रम में सॉव अच्छी फार्म में है, लेकिन शिखर धवन की फार्म अय्यर के लिए चिंता का विषय होगी. दिल्ली के लिए अच्छी बात यह है कि ऋषभ पंत ने केकेआर के खिलाफ 17 गेंदों पर 38 रन बनाकर अपनी आक्रामकता की झलक दिखा दी है. यही नहीं मार्कस स्टोइनिस और शिमरोन हेटमायर जैसे आक्रामक बल्लेबाज भी उसकी टीम में हैं. कागिसो रबाडा ने दिल्ली की गेंदबाजी की कमान अच्छी तरह से संभाली हैं, हालाकि केकेआर के खिलाफ वह नहीं चल पाये थे. दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज एनरिच नोर्जे ने शुरूआती और डैथ ओवरों में दिल्ली की तरफ से शानदार भूमिका निभायी है. केकेआर के खिलाफ उन्होंने 19वें ओवर में कसी हुई गेंदबाजी की. इशांत शर्मा की जगह चुने गये हर्षल पटेल ने भी चार ओवर में 34 रन देकर दो विकेट लिये लेकिन फिट होकर टीम में वापसी करने वाले रविचंद्रन अश्विन और स्टोइनिस प्रभाव नहीं छोड़ पाये. आरसीबी की तरफ से युवा देवदत्त पडिक्कल ने शीर्ष क्रम में अच्छा प्रदर्शन किया है. उन्होंने अब तक चार मैचों में तीन अर्धशतक की मदद से 174 रन बनाये हैं. अगर आरोन फिंच भी बड़ी पारी खेलने में सफल रहते हैं तो आरसीबी की सलामी जोड़ी को रोकना आसान नहीं होगा. कोहली की फार्म में वापसी से आरसीबी को राहत मिली होगी।

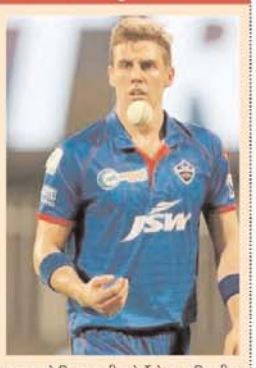

मैच से पहले दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज एनरिच नोर्जे ने दी आरसीबी को चुनौती

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बड़े स्टार खिलाड़ियों से मिलने वाली चुनौती से अविचलित दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज एनरिच नोर्जे ने कहा कि उनकी टीम सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में अपने प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने में सक्षम है। दिल्ली की टीम सोमवार को यहां रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) से भिड़ेगी जिसने शनिवार की रात कोलकाता नाइट राइडर्स को 18 रन से शिकस्त दी। नोर्जे ने कहा कि जीत हासिल करने के लिए बेसिक्स पर बने रहने और रणनीति के मुताबिक खेलना अहम है। दिल्ली कैपिटल्स की टीम आरसीबी के खिलाफ 23 मुकाबलों में से केवल आठ में ही जीत हासिल कर पाई है। उसका बल्लेबाजी क्रम विराट कोहली, एबी डिविलियर्स और युवा देवदत्त पडीक्कल की मौजूदगी से काफी मजबूत है। नोर्जे ने रविवार को जारी दिल्ली कैपिटल्स की विज्ञप्ति में कहा, यह अच्छी चुनौती होगी। उनका बल्लेबाजी क्रम काफी अच्छा है और इसमें काफी बड़े नाम भी शामिल हैं। लेकिन मुझे लगता है कि हमारी टीम भी काफी अच्छी है और खिलाडी अच्छा अभ्यास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अगर हम अपने कौशल के मुताबिक खेलें और वैसा ही प्रदर्शन करें जैसा हम कर रहे हैं, तो मुझे लगता है कि यह बहुत अच्छा मैच होने वाला है और मुझे पूरा भरोसा है कि हम उन पर भारी पड़ सकते हैं। नोर्जे ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ शारजाह में हुए मैच में 33 रन देकर तीन विकेट चटकाए। 228 रन के लक्ष्य का बचाव करने के दौरान इस तेज गेंदबाज ने 19वां ओवर फेंका। इससे पहले इयोन मोर्गन और राहुल त्रिपाठी ने छक्के जड़कर कोलकाता की टीम को मैच में वापसी करा दी थी, लेकिन नोर्जे ने 19वें ओवर में कसी हुई गेंदबाजी की। उन्होंने कहा, मैं खुश हू कि हम जीत हासिल कर सके। मुझे लगता है कि खिलाड़ियों ने काफी अच्छी गेंदबाजी की। शायद एक या दो ओवर, उन्होंने हम पर काफी रन जोड़े। लेकिन मुझे लगता है कि सामान्य तौर पर हमारी योजना अच्छी थी और सभी इसी के अनुसार खेले, इसलिए खिलाड़ियों ने अच्छा किया।

दुबई पहुंचते ही बोले बेन स्टोक्स, यहां काफी गर्मी है

दुबई ■ एजेंसी

इंग्लैंड के हरफनमौला खिलाड़ी बेन स्टोक्स इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के सीजन के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पहुंच गए हैं। वह न्यूजीलैंड में अपने परिवार के साथ रहने के लिए टूनामेंट के शुरूआती कुछ सप्ताह गायब रहने के बाद राजस्थान रॉयल्स में शामिल होंगे। 29 वर्षीय स्टोक्स को पहले आईपीएल 2020 के लिए कोविड-19 प्रोटोकॉल के अनुसार छह दिनों के संगरोध से गुजरना होगा। स्टोक्स ने रविवार को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा- दुबई गर्म है। अगस्त में स्टोक्स ने क्राइस्टचर्च में अपने पिता के कैंसर से पीड़ित होने के बाद अपने परिवार के साथ पाकिस्तान टेस्ट सीरीज से नाम वापस ले लिया था। यूएई में स्टोक्स का आगमन राजस्थान रॉयल्स के लिए एक बड़ा बढ़ावा है क्योंकि इससे उनकी बल्लेबाजी इकाई को और अधिक ताकत मिलेगी, जो वर्तमान में संजू सैमसन और स्टीव स्मिथ पर काफी निर्भर है। टीम में उनकी मौजूदगी उनकी गेंदबाजी इकाई को भी मजबूती प्रदान करेगी। राजस्थान रॉयल्स ने अब तक खेले गए चार मैचों में से दो में जीत हासिल की है और वर्तमान में अंक तालिका में छठे स्थान पर हैं। वे अगले मंगलवार को अबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में मुंबई इंडियंस का सामना करेंगे।

गर्लफ्रेंड इशा ने पंत को दी जन्मदिन की बधाई

नईदिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अपना 24वां जन्मदिन मनाया। उत्तराखंड राज्य के हरिद्वार जिले के रुड़की में जन्में पंत ने एक फरवरी 2017 को इंग्लैंड के खिलाफ भारत के लिए डेब्यू किया था। उनका पहला मैच टी20 इंटरनेशनल मैच था। आज उनके जन्मदिन पर सभी उन्हें बधाईयां दे रहे हैं जिसमें पंत की गर्लफ्रेंड इशा नेगी भी शामिल है। इशा ने पंत की कुछ तस्वीरें शेयर कर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है। इशा नेगी ने सोशल मीडिया वेबसाइट इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर करते हुए पंत को जन्मदिन की बधाई दी है। इस दौरान उन्होंने पंत के चेहरे पर केक लगे होने वाली फोटो शेयर करते हुए लिखा, इस दिन तक की बेस्ट तस्वीर। इसी के साथ ही इशा ने एक और फोटो शेयर की जिसमें उन्होंने पंत के साथ फोटो शेयर करते हुए जन्मदिन मुबारक लिखा। इस तस्वीर में इशा पंत के कंधे पर हाथ रखे पोज देती दिखाई दी।

वहीं इशा ने इस दौरान पंत के बचपन की एक क्यूट फोटो भी शेयर की जिसके साथ उन्होंने अपने दिल की बात लिखी। हालांकि उन्होंने पंत के रिलेशनशिप की बात तो नहीं की लेकिन पंत के बचपन की तस्वीर शेयर करते हुए इशा ने लिखा, पहले दिन से ही सबसे खुबसूरत बच्चा।

युवराज ने की तारीफ

भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत आज अपना 23वां बर्थडे मना रहे हैं। 4 अक्टूबर 1997 को जन्मे पंत ने अपने शानदार खेल से छोटी सी उम्र में ही कई दिग्गज खिलाड़ियों से तारीफें पाई हैं। टीम इंडिया में महेंद्र सिंह धोनी के उत्तराधिकारी के रूप में जाने जाते पंत अपने स्टाइल और फैशन के मामले में किसी से कम नहीं हैं। पंत के जन्मदिन के मौके पर टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह ने उन्हें जबरदस्त तरीके से जन्मदिन की बधाई दी है। युवराज अक्सर अपने साथ खेल चुके खिलाड़ियों के साथ मजे लेते रहते हैं। युवराज का यह बधाई संदेश सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। युवराज ने अपने इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर की जिसमें वो पंत के साथ दिख रहे हैं। इस फोटो के कैप्शन में उन्होंने लिखा कि, जिसका नाम हैं पंत और हरकतें हैं निक्कर वाली। तुम्हें जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई। सेफ रहें और इस सफल आईपीएल के लिए शुभकामनाएं।

सुधार सितंबर के आंकड़ों ने दिए आर्थिक रिकवरी के संकेत

पटरी पर लौट रही अर्थव्यवस्था: वित्त मंत्रालय

नईदिल्ली ■ एजेंसी

वित्त मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि सितंबर माह में अर्थव्यवस्था के सामान्य होने के संकेत मिले हैं और सरकार आम लोगों को संकट से निकालने के लिए किसी भी कदम से पीछे नहीं हटेगी। मंत्रालय ने कहा कि बीते 6 महीने में कोविड-19 संकट के दौरान, अर्थव्यवस्था में जान डालने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन जारी किए। सरकार ने सभी स्टोकहोल्डर्स और नागरिकों को ध्यान में रखकर फैसले लिए हैं। आर्थिक रिकवरी प्रक्रिया में इस बात पर भी फोकस किया गया कि डिमांड और सप्लाई को दुरुस्त किया जाए। इससे अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में मदद मिलेगी।

मंत्रालय की तरफ से शनिवार को जारी एक बयान में कहा गया, 'कोरोना वायरस महामारी के बीच बीते कुछ महीनों में सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का असर अब अर्थव्यवस्था में दिखने लगा है। सितंबर महीने में आर्थिक वृद्धि के सामान्य होने के संकेत मिलने लगे हैं।' मंत्रालय ने आगे कहा कि अर्थव्यवस्था पर कोविड-19 के असर को कम करने के लिए और लोगों की जीविका बेहतर करने के लिए सरकार सभी संभावनाओं पर काम कर रही है। आम लोगों का जीवन बेहतर करने के लिए वित्त मंत्रालय कोई भी फैसला लेने से पीछे नहीं हटेगा। इसमें कहा गया कि लॉकडाउन में चरणबद्ध तरीके से ढील देने के बाद अर्थव्यवस्था अब रफ्तार पकड़ने लगी है। व्यापारिक गतिविधियों के शुरू होने का असर अब दिखने लगा है। सितंबर महीने में 95,480 करोड़ रुपए के जीएसटी कलेक्शन से ही इस बात के संकेत मिल रहे हैं। यह साल-दर-साल आधार पर सितंबर महीने में 4 फीसदी बढ़ा है।

दो राहत पैकेज का ऐलान कर चुकी है सरकार

बता दें कोरोना काल में केंद्र सरकार ने दो वित्तीय पैकेज का ऐलान किया था। सबसे पहले 16 मार्च को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज और फिर इसके बाद करीब 21 लाख करोड़ रुपए के आत्मनिर्भर भारत पैकेज का ऐलान किया गया। दूसरे राहत पैकेज में फिस्कल और मॉनिटरी पॉलिसी के फैसलों को भी शामिल किया गया था। इन पैकेज के तहत केंद्र सरकार ने कई उपाय किए, जिसमें वरिष्ठ नागरिकों, विधवा महिलाओं, दिव्यांगों, महिला जन धन खाताधारकों, किसानों के बैंक अकाउंट में सीधे पैसे ट्रांसफर किए गए। हेल्थकेयर सेक्टर में काम करने वाले लोगों को इंश्योरेंस कवरेज दिया गया और मनरेगा के तहत भी लोगों को काम दिए गए।

रेलिगेयर एंटरप्राइजेज की चेयरपर्सन ने कहा, संभवत: आरएफएल का ऋण पुनर्गठन दिसंबर तक पूरा हो जाएगा

नईदिल्ली ■ एजेंसी

रेलिगेयर एंटरप्राइजेज की चेयरपर्सन रशिम सलूजा ने रेलिगेयर फिनवेस्ट लि. (आरएफएल) का ऋण पुनर्गठन दिसंबर तक पूरा होने की उम्मीद जताई है। उन्होंने कहा कि अगले वित्त वर्ष से कंपनी नया कारोबार शुरू कर सकेगी। कंपनी के प्रबंधन में 2018 के बाद बदलाव के बाद से वह ऋणदाताओं को 6,500 करोड़ रुपये का भुगतान कर चुकी है। रेलिगेयर एंटरप्राइजेज की गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी आरएफएल कमजोर वित्तीय सेहत की वजह से जनवरी, 2018 से रिजर्व बैंक की सुधारात्मक कार्रवाई योजना (सीएपी) के तहत है। इसके चलते कंपनी के नए कारोबार लेने पर रोक है। पूर्व प्रवर्तकों शिविंदर सिंह और मालविंदर सिंह बंधुओं के कथित रूप से कोष के दुरुपयोग की वजह से कंपनी वित्तीय संकट में है। सलूजा ने पीटीआई-भाषा से साक्षात्कार में कहा बुरा समय पीछे छूट चुका है। हमारे अन्य सभी कारोबार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। आरएफएल की स्थिति भी धीरे-धीरे ठीक हो रही है। दो साल पहले आरएफएल के चारों पहिए फंसे हुए थे। आज पहिए जमीन पर आ गए हैं। हम इन्हें आगे बढ़ाने के लिए नए सिरे से ईंधन डाल रहे हैं। आरएफएल के अलावा रेलिगेयर एंटरप्राइजेज की अन्य अनुषंगियां केयर हेल्थ इंश्योरेंस लि. (सीएचआईएल) और रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. हैं। कर्ज के बोझ से दबी आरएफएल की अनुषंगी कंपनी रेलिगेयर हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कॉरपोरेशन लि. (आरएचडीएफसीएल) है। यह कंपनी सस्ते मकानों के लिए कर्ज उपलब्ध कराती है।

पीएम किसान सम्मान निधि का नहीं मिलेगा पैसा अगर आपने नहीं किया यह काम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत अगर आपने रजिस्ट्रेशन कराया है तो हर चार महीने पर मिलने वाली 2000 रुपये की किस्त से आप वंचित हो सकते हैं। खासकर अगर आप जम्मू-कश्मीर, असम और मेघालय के किसान हैं तो आपको 31 मार्च 2021 तक हर हाल में आधार लिंक करवाना होगा। अन्य राज्यों के किसानों के लिए आाधर पहले से ही अनिवार्य है। अगर अन्य राज्यों के किसानों के बैंक खाते से आधार लिंक नहीं है तो नवंबर की किस्त नहीं मिलेगी। बता दें केंद्रीय कृषि मंत्रालय के मुताबिक सितंबर तक देश के 10 करोड़ 65 लाख से अधिक किसानों ने रजिस्ट्रेशन करवा लिया है। ये वे किसान हैं जिनके कागजात दुरुस्त हैं।

विधानसभा उप निर्वाचन-2020

विधानसभा क्षेत्रवार हुआ ईव्हीएम एवं वीवीपैट का प्रथम रेण्डमाइजेशन

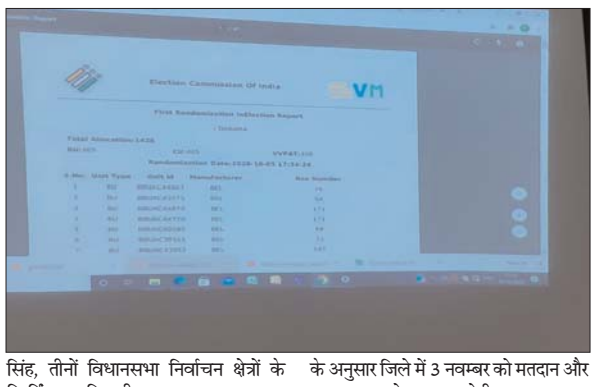

ग्वालियर। मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में ईवीएम (इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन) का पहला रेण्डमाइजेशन किया गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने सोमवार को कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में ईवीएम एवं वीवीपैट के प्रथम रेण्डमाइजेशन की कार्रवाई सम्पन्न कराई। पहले रेण्डमाइजेशन के बाद यह निर्धारण हो गया है कि कौन-कौन से नम्बर की ईवीएम (कंट्रोल यूनिट व बैलेट यूनिट) तथा वीवीपैट किस विधानसभा क्षेत्र में उपयोग में लाए जायेंगे। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अधिकृत सॉफ्टवेयर के जरिए कम्प्यूटर से ईव्हीएम मशीनों का पहला रेंडमाइजेशन किया गया।

जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सिंह ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इन सभी के संतुष्ट होने के बाद विधानसभावार ईव्हीएम मशीनों व वीवीपैट का रेंडमाइजेशन किया गया। हर विधानसभा क्षेत्र में उपयोग में लाई जाने वाली

राजनैतिक दलों की मौजूदगी में सम्पन्न हुई रेण्डमाइजेशन की कार्रवाई

ईवीएम के अलावा 40 प्रतिशत रिजर्व ईवीएम का भी रेण्डमाइजेशन किया गया है। रेण्डमाइजेशन किए गए वीवीपैट की संख्या 40 प्रतिशत से भी अधिक है। रेंडमाइजेशन के बाद विधानसभा क्षेत्रवार निर्धारित हुई ईव्हीएम मशीनों के नम्बर मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को मुहैया कराए गए। रेण्डमाइजेशन की कार्रवाई के दौरान अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आशीष तिवारी, अपर कलेक्टर श्री टी एन सिंह, तीनों विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारी तथा मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधिगण सर्वश्री आनंद शर्मा, चंद्रप्रकाश गुप्ता, हरीश मेवाफरोश, सतेन्द्र धाकड, सुरेन्द्र जायसवाल व चेतन भार्गव सहित अन्य प्रतिनिधिगण मौजूद थे। एनआईसी की सूचना विज्ञान अधिकारी श्रीमती तृप्ति निगम ने भारत निवर्नाचन आयोग द्वारा निर्धारित सॉफ्टवेयर के जरिए रेण्डमाइजेशन की कार्रवाई संपादित की।

ज्ञात हो जिले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र-15 ग्वालियर, 16-ग्वालियर पूर्व एवं 19-डबरा (अजा.) में उप निर्वाचन होना है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किए गए कार्यक्रम के अनुसार जिले में 3 नवम्बर को मतदान और 10 नवम्बर को मतगणना होगी।

तीनों विधानसभा क्षेत्रों में कुल 1188 मतदान केन्द्र-तीनों विधानसभा क्षेत्रों में सहायक मतदान केन्द्रों सहित कुल 1188 मतदान केन्द्र हैं। इनमें से विधानसभा क्षेत्र 15-ग्वालियर में 409, 16-ग्वालियर पूर्व में 447 एवं विधानसभा क्षेत्र 19-डबरा (अजा.) के 332 मतदान केन्द्र शामिल हैं।

विधानसभा क्षेत्रवार रेण्डमाइजेशन के बाद रिजर्व सहित ईवीएम व वीवीपैट की संख्या-विधानसभा क्षेत्र 15-ग्वालियर के लिए 573 ईवीएम व 614 वीवीपैट, 16-ग्वालियर पूर्व के लिये 626 ईवीएम व 671 वीवीपैट एवं विधानसभा क्षेत्र 19-डबरा (अजा.) के लिये 465 ईवीएम व 498 वीवीपैट का निर्धारण हुआ है।

भाजपा मीडिया सेंटर की आड़ में होटल का अवैध कब्जा

ग्वालियर। एक तरफ प्रदेश और जिला प्रशासन अवैध कब्जों की खिलाफत कर उस अतिक्रमण को हटाने की भरसक कोशिश कर रहा है। वहीं ग्वालियर के गांधी रोड से मेला के लिये जाने वाले रास्ते पर एक अवैध होटल संचालक ने सामने की ही वेशकीमती जमीन पर पार्किंग के नाम पर कब्जा कर लिया है। वहां से रोज गुजरने वाले अधिकारियों को यह कब्जा अभी दिखाई नहीं दे रहा है, और एक बडे सत्ता में काबिज राजनैतिक दल ने अपना कार्यालय होटल में खुलवाकर अवैध होटल को क्लीन चिट दिलवा दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांधीरोड पर आकाशवाणी के बगल से मेला रोड जाने वाली सड़क पर एक अवैध होटल रमाया बना हुआ है। होटल नजूल की भूमि पर है और उसके खिलाफ कई शिकायतें प्रशासन को मिली जिसके बाद कार्रवाई में उक्त भूमि नजूल की बताई गई है। क्योंकि उक्त भूमि नाले पर है, और जहां होटल बना है होटल संचालक ने उसके पास कृषि विश्वविद्यालय की जमीन जो कि नाले की थी पर भी अवैध कब्जा कर लिया। उधर कई शिकवे शिकायतों के बाद भाजपा ने होटल संचालक को सहारा दिया है। उसके बाद फिर कई शिकायतें हुई लेकिन लालफीताशाही को चांदी का जूता मारने के बाद सभी शिकायतें ठंडे बस्ते में चली गई।

उधर होटल संचालक ने फिर भाजपा वालों का दामन थामा है। और होटल संचालक ने अपने होटल का अवैध हिस्सा भाजपा मीडिया सेंटर को दे दिया। अब होटल संचालक का हौसला और बढ़ गया। उसने अपने होटल के सामने की खाली पडी जमीन पर एक सीमेंट का पाइप डाल उसपर मिटटी डालकर रास्ता बनाया और सामने खाली पडी वेशकीमती जमीन पर पार्किंग शुरू करा दी। उक्त जमीन पर अभी चार पहिया वाहन खडे हो रहे हैं जो सभी सत्ता धारी पार्टी के कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों के होते हैं। उधर इस रोड से कई अधिकारी रोजाना निकल रहे हैं लेकिन किसी को भी होटल द्वारा किये गये अवैध कब्जे पर नजर नहीं गई। अब देखना है कि जिला प्रशासन होटल के अवैध पार्किंग कब्जे को हटाने का प्रयास करेगा या फिर उस पर भी अवैध के बाद वैध की मुहर लगायेगा इसका इंतजार रहेगा।

5 अपराधी जिला बदर एवं एक को देना होगा बंध पत्र

ग्वालियर। जिला दण्डाधिकारी श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने 5 लोगों को मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 के अंतर्गत जिला बदर करने के आदेश जारी किए हैं। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर लोक शांति एवं जन सुरक्षा को देखते हुए जिला बदर करने के आदेश जारी किए गए हैं। जिला दण्डाधिकारी श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने जिन अपराधियों के विरूद्ध जिला बदर के आदेश पारित किए हैं उनमें नितिन शर्मा पुत्र मुन्नालाल शर्मा निवासी नदीपार टाल मुरार, पुष्पेन्द्र उर्फ पिस्सू पुत्र गोपेन्द्र सिंह भदौरिया निवासी काशी नरेश की गली, संजय पुत्र रामस्वरूप लोधी निवासी गल्ला कोठार, ऋषभ सिंह भदौरिया पुत्र कृष्ण कुमार भदौरिया निवासी भदौरिया मार्केट दर्पण कॉलोनी ठाठीपुर एवं मुरादी खां पुत्र गंगे खां निवासी चक रायपुर थाना महाराजपुरा जिला ग्वालियर शामिल हैं।

विधानसभा उप निर्वाचन-2020

तीनों विधानसभा क्षेत्रों के लिये रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त

ग्वालियर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों के तहत ग्वालियर जिले में विधानसभा उप चुनाव सम्पन्न कराने के लिये कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने विधानसभा क्षेत्रवार रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी प्रस्तावित कर दिए हैं। **इन्हें सौंपे दायित्व**-विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 15-ग्वालियर - अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) शहर श्री प्रदीप तोमर रिटर्निंग अधिकारी का दायित्व निभायेंगे। यहाँ के सहायक रिटर्निंग अधिकारी की जिम्मेदारी तहसीलदार श्रीमती ममता शाक्य, अपर तहसीलदार श्री रामनिवास सिंह सिकरवार व नायब तहसीलदार श्री धीरेन्द्र गुप्ता को दी गई है। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 16-ग्वालियर पूर्व - अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मुरार श्री एच बी शर्मा यहाँ के रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। तहसीलदार मुरार श्री नरेशचंद गुप्ता, तहसीलदार श्री कुलदीप दुबे व नायब तहसीलदार श्री महेश सिंह कुशवाह यहाँ के सहायक रिटर्निंग अधिकारी बनाए गए हैं। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 19-डबरा (अजा) - डबरा के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री प्रदीप शर्मा रिटर्निंग अधिकारी बनाए गए हैं। तहसीलदार डबरा श्री नवनीत शर्मा, नायब तहसीलदार श्री ओ पी आर्य व नायब तहसीलदार श्री आनंद गोस्वामी सहायक रिटर्निंग अधिकारी की जिम्मेदारी निभायेंगे।

मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग अवश्य करें : कलेक्टर श्री सिंह

80 वर्ष से अधिक, दिव्यांग व क्वारंटाइन मतदाताओं को डाक मत पत्र की सुविधा मिलेगी, बीएलओ अपने-अपने क्षेत्र में मतदाताओं से डाक मत पत्र भरवायेंगे

ग्वालियर। लोकतंत्र की मजबूती के लिये हर मतदाता को अपने मताधिकार का उपयोग अवश्य करना चाहिए। मतदान हर मतदाता का अधिकार है। देश के विकास और लोकतंत्र की मजबूती के लिये सभी को मतदान करना आवश्यक है। स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान सम्पन्न कराने के लिये निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाताओं की सुविधा हेतु अनेक उपाय किए गए हैं। कोविड-19 के संक्रमण को देखते हुए भी निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाताओं के स्वास्थ्य की रक्षा हेतु पुख्ता प्रबंध करने के लिये दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने विधानसभा उप निर्वाचन-2020 में ग्वालियर के तीन विधानसभा क्षेत्रों में होने वाले निर्वाचन में सभी मतदाताओं को अपने मताधिकार का उपयोग अवश्य करने की अपील की है। उन्होंने बताया है कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार इस बार 80 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके मतदाता, दिव्यांग मतदाता और कोविड-19 के संक्रमण के कारण होम क्वारंटाइन मतदाताओं को डाक मत पत्र के माध्यम से मतदान करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। ऐसे मतदाता 13 अक्टूबर तक आवेदन कर सकते हैं। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने मतदाताओं को यह भी बताया है कि बीएलओ घर-घर जाकर भी मतदाताओं से संपर्क करेंगे और ऐसे तीनों श्रेणी के मतदाताओं से फार्म भरवाकर प्राप्त करेंगे। डाक मत पत्र के लिये मतदाता फॉर्म-12-ष्ठ भरकर अपने विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफीसर कार्यालय में भी जमा कर सकते हैं। सक्षम स्वास्थ्य अधिकारी का प्रमाण-पत्र भी आवेदन के साथ संलग्न करना होगा। फॉर्म-12-ष्ठ रिटर्निंग ऑफीसर के कार्यालय के साथ-साथ निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर भी उपलब्ध हैं। श्री सिंह ने मतदाताओं को यह भी जानकारी दी है कि कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम के लिये मतदान के दिन आवश्यक प्रबंध किए गए हैं। सभी मतदान केन्द्रों को सेनेटाइज करने के पश्चात ही मतदान प्रारंभ किया जायेगा। इसके साथ ही मतदाताओं को सेनेटाइजर, मास्क, ग्लब्स आदि भी प्रदान किए जायेंगे। मतदाता निर्भीक होकर मतदान केन्द्र पहुँचें और अपने मताधिकार का उपयोग करें। मतदाताओं के लिये आयोग के निर्देश पर किए गए प्रबंधनों के बाद कोविड संक्रमण की कोई संभावना नहीं रहेगी।

सतीश को जनसम्पर्क में मिला व्यापक जनसमर्थन

जगह-जगह लोगों ने किया जोरदार स्वागत

ग्वालियर। 16 ग्वालियर पूर्व से कॉग्रेस प्रत्याशी डॉ. सतीष सिंह सिकरवार ने आज वार्ड 45 में इंदरगंज चौराहा से कॉग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ जनसम्पर्क षुरू किया। आज सुबह करीब 8 बजे सैकड़ो कॉग्रेस कार्यकर्ता डॉ. सतीष सिंह सिकरवार के नेतृत्व में इंदरगंज चौराहा पर एकत्रित हुये और वहां से डॉ. सिकरवार के साथ गऊघाट, बॉम्बे बेकरी, अरगडे की गली, तेजेन्द्रनाथ की गली एवं दाल बाजार की विभिन्न गलियों में जनसम्पर्क किया। जनसम्पर्क के दौरान कई स्थानों पर डॉ. सिकरवार का पुश्पहार पहनाकर स्वागत किया। जनसम्पर्क में कार्यकर्ताओं की भीड द्वारा कॉग्रेस पार्टी जिंदाबाद, सोनिया गांधी जिंदाबाद, राहुल गांधी जिंदाबाद, कमलनाथ जिंदाबाद, सतीष सिंह सिकरवार जिंदाबाद के नारे लगाये जा रहे थे। **आज 06 अक्टूबर कार्यक्रमः**- प्रातः 8 बजे त्रिलोकी ढाबा के पास रोषनी घर रोड से जनसम्पर्क, दोपहर 12 बजे जी.वाय.एम.सी. क्लब में जिला कॉग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक मोर्चा के साथ बैठक, शाम 4 बजे वार्ड-45 ललितपुर कॉलोनी कार्यालय में 'नारी षक्ति की पुकार' संस्था के साथ बैठक, शाम 5 बजे वार्ड-26 कटारे इलेक्ट्रीकल्स के पास त्यागी नगर में क्षेत्रीय जनता से मुलाकात, षाम 6 बजे वार्ड-28 बाथम धर्मषाला कुम्हरपुरा में क्षेत्रीय जनता से मुलाकात, शाम 7 बजे वार्ड-60 हरदौल गार्डन माता का मंदिर हुरावली में क्षेत्रीय जनता से मुलाकात, रात 8 बजे वार्ड-27 गली नं.3 रामनगर ईदगाह के सामने मुरार बारादरी एवं रात 9 बजे वार्ड-57 होटल विरासत तार घर के ऊपर जयेन्द्रगंज में क्षेत्रीय जनता से मुलाकात का कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा।

कलेक्टर ने लिया ईव्हीएम स्ट्राँग रूम, मतदान सामग्री वितरण व मतगणना केन्द्र का जायजा

ग्वालियर। विधानसभा उप निर्वाचन कार्यक्रम के तहत जिले के तीनों विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिये मतदान सामग्री का वितरण, मतदान के बाद सामग्री की प्राप्ति एवं मतों की गिनती का काम शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई स्वशासी कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय (एमएलबी कॉलेज) में होगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने सोमवार को एमएलबी कॉलेज पहुँचकर निर्वाचन संबंधी विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने इस अवसर पर निर्देश दिए कि कोविड-19 की गाइडलाइन को ध्यान में रखकर मतदान सामग्री वितरण व वापसी सहित अन्य सभी व्यवस्थायें मुकम्मल करें। इसी तरह मतगणना की व्यवस्थायें भी की जाएं। उन्होंने सामग्री वितरण व वापसी के लिये पर्याप्त काउण्टर बनाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने खासतौर पर एमएलबी कॉलेज में विधानसभावार बनाए गए ईव्हीएम स्ट्राँग रूम, मतदान सामग्री वितरण व प्राप्ति और मतगणना कक्षों व टेबूलेशन कक्ष की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही स्ट्राँग रूम से मतगणना कक्षों में

एमएलबी कॉलेज से होगा मतदान सामग्री का वितरण और यहीं पर होगी मतगणना

ईव्हीएम मशीन ले जाने तथा प्रत्याशियों एवं उनके अभिकर्ताओं के प्रवेश की व्यवस्था आदि के बारे में जानकारी ली। साथ ही मतदान दलों के परिवहन में लगने वाले वाहनों के पार्किंग स्थलों का भी उन्होंने जायजा लिया। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शिवम वर्मा, अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आशीष तिवारी, एडीएम श्री किशोर कान्याल एवं अपर कलेक्टर श्री टी एन सिंह, रिटर्निंग अधिकारी 16-ग्वालियर पूर्व श्री एच बी शर्मा तथा जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विजय दुबे सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

चुनाव सामग्री वितरण के लिये बनेंगे कुल 98 काउण्टर-जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शिवम वर्मा ने बताया कि कोविड गाइडलाइन को ध्यान में रखकर मतदान सामग्री वितरण के लिये 98 काउण्टर बनाए जायेंगे। हर काउण्टर से लगभग 25 मतदान दलों को चुनाव सामग्री वितरित की जायेगी। उन्होंने बताया विधानसभा क्षेत्र 15-ग्वालियर के लिये 32 काउण्टर, विधानसभा क्षेत्र 16-ग्वालियर पूर्व के लिये 36 एवं विधानसभा क्षेत्र-19 डबरा (अजा) के लिए 30 वितरण काउण्टर बनाए जायेंगे। ज्ञात हो विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 15-ग्वालियर में 95 सहायक मतदान केन्द्रों सहित कुल 409 मतदान केन्द्र हैं। विधानसभा क्षेत्र 16-ग्वालियर पूर्व में 113 सहायक मतदान केन्द्रों सहित कुल 447 मतदान केन्द्र और विधानसभा क्षेत्र 19-डबरा (अजा) में 77 सहायक मतदान केन्द्रों सहित कुल 332 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक- भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478